दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। बुधवार 26 नवम्बर -2025 ● वर्ष : 10 अंक : 338 पेज -08 ● RNI NO. DELHI/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

500 वर्षों का इंतजार खत्म हुआ राम मंदिर पर लहराई धर्म ध्वजा

अयोध्या। 500 वर्षों का इंतजार खत्म हुआ। अयोध्या में बने भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा लहरा गया। पीएम मोदी ने शुभ मुहूर्त में 22 फीट लंबे, 11 फीट चौड़े और लगभग 3 किलो वजनी धर्म ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित देशभर से आए करीब 7000 मेहमान इस ऐतिहासिक पल के गवाह बने। ध्वजारोहण से पूर्व पीएम मोदी ने सप्तमंदिर में सप्त ऋषियों के दर्शन और भगवान राम की आरती की

अन्नपूर्णा मंदिर में पीएम ने की पूजा : पीएम नरेंद्र मोदी ने अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण के बाद विभिन्न मंदिरों में दर्शन और पूजन किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज अयोध्या में माता अन्नपूर्णा

विस्तृत खबर, पृष्ठ 2

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के तीन साल पूरे

अपराध- नियंत्रण का प्रयास जारी, बीट पुलिसिंग से मॉडर्न बिल्डिंग और ऑपरेशन कन्वैक्शन की हुई शुरुआत

- महिला अपराध में दिख रहा है सुधार, पर हत्याओं पर लगानी होगी रोकथाम

- पुलिस की वर्किंग और व्यवहार में बदलाव लाए पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड

गाजियाबाद, करंट क्राइम : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 26 नवंबर 2022 को गाजियाबाद में पुलिस कमिश्नरेट के गठन की घोषणा की। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के गठन को 3 वर्ष पूरे हो गए हैं। वर्ष 2025 में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में जहां बीट पुलिसिंग पर बड़ा अभियान चलाकर योजनाएं बनाई गई। तो वहीं पुलिस कमिश्नर के ऑफिस से लेकर लाइन अधिकारियों के कार्यालय और बेहतर बिल्डिंग भी निर्मित की गई है। वहीं पुलिस ऑफिस के निर्माण के साथ ही साक्ष्य आधारित विवेचना प्रणाली, शिष्टाचार संवाद नीति, वादी संवाद दिवस, कमांड कंट्रोल रूम की स्थापना मुकदमा के साथ ही एफआईआर दर्ज होने के बाद उसकी कॉपी प्रतिवादी के घर तक पहुंचाना भी खास रहा। इसके साथ ही ऑपरेशन कन्वैक्शन, प्रत्येक थाना और जोनवार कैमरों की संख्या बढ़ाने का अभियान और महिला अपराध नियंत्रण को लेकर पिंक बूथ- परिवार परामर्श केंद्र से लेकर साइबर अपराध रोकथाम के लिए साइबर थाने की शुरूआत पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की सफलता रही है। वहीं हत्याओं के मामले में कमी लाने के लिए पुलिस को अभी पसीना बहाना है। तो चेन, मोबाइल स्नैचिंग, वाहने चोरी के अपराध में भी पुलिस को रिकार्ड सुधारने की आवश्यकता है।

पुलिस कमिश्नर ने पढ़ाया पुलिसकर्मियों को ईमानदारी और शालीनता का पाठ

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने गाजियाबाद में अप्रैल माह में चार्ज लिया। इसके बाद उन्होंने पुलिसकर्मियों को जनता के साथ तू और तुम ना खाने का अभियान चलाया था। इसके साथ ही थाने में आने वाले बच्चों को ट्रॉफी भी दी जाती थी। तो वहीं अब प्रत्येक थाने में आने वाले लोगों के लिए आगंतुक कक्ष का निर्माण कराया जा रहा है। इसी के साथ पुलिस कार्यालय में आधुनिक कैफेटेरिया के साथ ही पुलिस मीटिंग हॉल, पुलिस लाइन में आधुनिक कैंटीन, पुलिस कार्यालय के मुख्य द्वार और सभी स्थानों के सौंदर्यीकरण का काम भी कराया गया है।

कमांड कंट्रोल रूम की भी स्थापना हुई

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के तीन वर्ष पूरे हो रहे हैं। तो यहां कई तरीके के नए प्रयोग भी किया जा रहे हैं। पुलिस कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए पुलिस कमिश्नर द्वारा थानों, कार्यालयों में कैमरे स्थापित किए गए। जिनकी 24 घंटे मॉनिटर होती है। तीनों जोन के डीसीपी स्तर के कार्यालय में इनकी रिकॉर्डिंग की जाती है। तो वही एसीपी कोर्ट में भी कैमरे लगा दिए गए हैं ताकि पारदर्शिता रहे। वहीं भ्रष्टाचार करने वाले 40 से अधिक पुलिसकर्मियों को इस वर्ष कार्रवाई का शिकार होना पड़ा है। तो भ्रष्टाचार के मामलों में भी पुलिस अधिकारियों ने कड़े एक्शन लिए हैं।

महिला अपराध में थोड़ा सुधार, पर जारी है दहेज हत्या और बलात्कार

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में महिलाओं को तुरंत न्याय दिलाने के लिए 20 पिंक बूथ की स्थापना की गई थी। यह बीते कई सालों से वर्किंग में हैं लेकिन वर्ष 2023 में 49 दहेज हत्या हुई। तो यह आंकड़ा 2024 में 31 और 2025 में 32 जा पहुंचा है। वही बलात्कार की बात की जाए तो 2023 में 133, 2024 में 169 और 2025 में 84 हो गए हैं। अपहरण की बात की जाए तो 2023 में 47, 2024 में 56 और 2025 में 27 हुआ। इसके साथ महिला उत्पीड़न शिकायतें वर्ष 2023 में 824, 2024 में 650 और 2025 में 520 आई थी।

20 पिंक बूथ पर पहुंचे 14,210 प्रार्थना पत्र

करंट क्राइम : वर्ष 2025 में पिंक बूथ पर 14,210 शिकायती पत्र पहुंचे हैं। जिनका निस्तारण किया गया है। इसमें नगर जोन में 5609, ट्रांस हिंडन जोन में 2627 और ग्रामीण जोन में 5974 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

रिस्पांस टाइम में गाजियाबाद पुलिस चल रही है नंबर वन

करंट क्राइम : यूपी पुलिस की 112 सर्विस के मामले में वर्ष 2023 में गाजियाबाद पुलिस का रिस्पांस टाइम 7 मिनट से अधिक था। तो यह वर्ष 2025 में 4 मिनट के आसपास पहुंच गया है। 1 जनवरी 2025 से 25 नवंबर की अवधि के दौरान 295,285 से अधिक लोगों ने यूपी-112 पर फोन करके मदद मांगी है। जिसपर पुलिस का रिस्पांस टाइम बेहतर रहा।

तीन वर्षीय अपराध का विवरण

अपराध शीर्षक	2023	2024	2025
हत्या	108	108	85
304 भादवि	20	26	20
307 भादवि	03	114	143
लूट	77	84	33
गृहभेदन	266	265	166
वाहन/अन्य चोरी	4177	4354	3124
बलवा	60	34	77
फिरौती हेतु अपहरण	0	2	0
शस्त्र अधिनियम	407	231	215
आबकारी अधिनियम	341	337	86
गैगस्टर	90	59	53
गुण्डा अधिनियम	732	703	300
गोवध अधिनियम	21	15	13
आई०टी० एक्ट	1099	1054	847
एन०एस०ए०	10	3	0

साइबर क्राइम और संगठित अपराध पर जारी है कार्रवाई

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट में जहां साइबर थाना खोला गया, तो प्रत्येक थाने में साइबर हेल्पलाइन डेस्क बनाई गई है। जहां एक इंस्पेक्टर, एक सब इंस्पेक्टर और कई अन्य पुलिस कर्मचारी पांच लाख रूपये तक होने वाली ठगी पर त्वरित कार्रवाई करते हैं। तो बड़े मामलों पर साइबर थाना और क्राइम ब्रांच काम करती है। क्राइम ब्रांच बीते दिनों देशभर में नकली कफ सिरप और कैंसर जैसी घातक दवाइयां की एक्सपायरी दवा बेचने वालों से लेकर मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले और लोगों की रकम पड़कर डालने वाले ठगों को गिरफ्तार करने का काम कर चुकी है।

दिल्ली बम धमाके के बाद सड़क पर उतरे थे गाजियाबाद के वरिष्ठ अधिकारी

करंट क्राइम : बीते दिनों दिल्ली में लाल किले के निकट आतंकवादी हमले और बम ब्लास्ट जैसी घटना सामने आई। जिसके बाद दिल्ली से सटे बॉर्डर इलाकों में खुद पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड तीनों जोन के डीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों के साथ कई दिनों तक सुरक्षा अभियान चलाया गया। इस दौरान सभी प्रमुख स्थानों पर चेकिंग और डॉग स्क्वायड दस्ता उतारे गए थे। खुद पुलिस कमिश्नर मौजूद रहे थे।

बढ़ी कैमरों की संख्या, तो स्नैचिंग हुई कम

करंट क्राइम : गाजियाबाद पुलिस के अनुसार वर्ष 2024 की तुलना में 2025 में स्नेचिंग की वारदात कम हुई हैं। वर्ष 2024 में कुल 443 स्नेचिंग की वारदात हुई है। तो वर्ष 2025 में यह आंकड़ा 310 किया गया है। पुलिस के अधिकारियों कहना है कि यह डाटा लगभग 48% कम हुआ है।

फुल एनकाउंटर से लेकर हॉफ काउंटर तक हैं जारी

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में अबतक 347 मुठभेड़ हो चुकी हैं। जिसमें 562 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। खास बात यह है कि 399 ऐसे अपराधी पकड़े गए हैं, जो गोली लगने के बाद गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं अब तक पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में 7 अपराधियों को अलग-अलग मामलों में ढेर किया जा चुका है। जिसमें गाजियाबाद के अलग-अलग थाना पुलिस से लेकर क्राइम ब्रांच की टीम शामिल हैं।

सीनियर सिटीजन सेल का किया गया गठन

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड द्वारा सीनियर सिटीजन सेल का गठन किया गया है। इसके साथ ही अलग-अलग सोसाइटियों और इलाकों में रहने वाले बुजुर्ग नागरिकों के लिए ऑपरेशन सवेरा चलाया जा रहा है। जिसमें उनके बीट ऑफीसर उनसे लगातार संपर्क करने के साथ ही उनके बारे में पूरा विवरण रखते हैं।

लगातार जारी है मीटिंगों का दौर : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए लगातार सीपी कमिश्नरेट के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मीटिंग करते हैं ताकि गाजियाबाद पुलिस सभी प्रयासों में सफल रहे।

सड़कों को जाम मुक्त बनाने का अभियान जारी

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम में जहां यातायात व्यवस्था में सुधार लाने के लिए एडीसीपी की जगह अब डीसीपी के पद को बनाया गया है। तो वहीं तीनों जोन में एसीपी स्तर के अधिकारी तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही यातायात पुलिस में पहले 6 निरीक्षक होते थे, उनकी संख्या को बढ़ाकर अब 12 कर दिया गया है। तो बड़ी संख्या में अब ट्रैफिक पुलिस संचालन और महिलाओं के द्वारा नियम तोड़ने पर महिला पुलिस कर्मचारी कार्रवाई करने के लिए फील्ड पर पोस्ट की गई हैं। वर्तमान में यह संख्या कम है लेकिन इसे आने वाले सालों में बढ़ाने का अभियान चल रहा है।

जनप्रतिनिधियों से संवाद और सोशल कार्यक्रम भी हुए आयोजित

करंट क्राइम : वर्ष 2025 में पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने जहां जनप्रतिनिधियों के साथ कई बार संवाद किया, तो कई जनप्रतिनिधियों के घर जाकर उनसे पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद को बेहतर बनाने के सुझाव लिए गए हैं। तो बीते दिनों गाजियाबाद यातायात पुलिस द्वारा वॉकथॉन का आयोजन किया गया था, जिसका मकसद शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारना था। इसमें हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा और कबड्डी खिलाड़ी राहुल चौधरी पहुंचे थे। तो गाजियाबाद के सभी प्रमुख जनप्रतिनिधि जिसमें सांसद अतुल गर्ग से लेकर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, विधायक संजीव शर्मा, अजीत पाल त्यागी, नंद किशोर गुर्जर, महापौर सुनीता दयाल, पूर्व सांसद अनिल अग्रवाल सहित तमाम जनप्रतिनिधि शामिल रहे।

विधायक मदन भईया की बिटिया की शादी में परम्परा शुरू हुई नेक शगुन के रूप में स्वीकार किये गये रुपये केवल 101

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मदन भईया एक बड़ी राजनीतिक शख्सियत हैं और मौजूदा समय में वो खतौली से रालोद विधायक हैं। विधायक मदन भईया एक ऐसी हस्ति हैं जिनके ईर्द गिर्द लोनी की सियासत घूमती है। वो गुर्जर बिरादरी का ऐसा चेहरा हैं जिन्हें उत्तर प्रदेश की राजनीति में पश्चिम से लेकर पूरब तक जाना जाता है। संबंधों का एक बड़ा काफिला उनके पास है। विधायक मदन भईया ने अपनी बिटिया के शुभ विवाह में एक ऐसी परम्परा की शुरूआत की है जिसने एक नई उम्मीदों के दरवाजे खोले हैं और संबंधों को लिफाफों के वजन से मुक्त कर दिया है। आम तौर पर एक परम्परा है कि शादी समारोह में शगुन के तौर पर लिफाफे दिये जाते हैं। शादियां इन दिनों महंगी होती जा रही हैं भव्य होती जा रही हैं और भव्यता के इस बोझ के नीचे कई बार संबंध दबते हैं। भव्यता जेब को प्रभावित करती है और मन में कई बार ये ख्याल आता है कि इतनी बड़ी शादी में जा रहे हैं तो शगुन का लिफाफा बड़ा होना चाहिए। कई बार ये काम मन से होता है और कई बार इसके लिए जतन करने पड़ते हैं। एक तारीफ यहां पर खतौली विधायक मदन भईया की करनी होगी कि उन्होंने परम्परा को भी जिन्दा रखा और परम्परा में एक नेक शुरूआत भी कर दी। उन्होंने दिखाया कि हम किस तरह से अपनी जड़ों से भी जुड़े रह सकते हैं और सहजता से एक नई परम्परा का भी निर्माण कर सकते हैं। इस परम्परा की शुरूआत उन्होंने अपनी बिटिया के विवाह से की है और पूरे क्षेत्र में इसकी चर्चा हो रही है। यहां पर नेक काम की शुरूआत नेग से हुई है। बताते हैं कि परम्परागत रूप से कन्या दान अथवा शगुन लिख रहे लोगों को ये निर्देश था कि भले ही कोई कितनी धनराशि दे लेकिन आपको केवल एक सौ एक रूपये ही शगुन के रूप में लेने हैं। परम्परा का पालन होना है और सरलता से होना है इसलिए लिए पूरा इंतजाम किया गया था। जब किसी ने यहां कन्यादान लिखवाते समय पांच सौ एक रूपये दिये तो उधर से 400 रूपये उन्हें वापस मिले।

बताया गया कि केवल एक सौ एक रूपये ही स्वीकार किये जायेंगे। ये हमारी परम्परा भी है, आपका आशीर्वाद भी है और यह एक नई शुरूआत भी है। बताते हैं कि यहां अगर किसी ने पांच हजार रूपये भी दिये तो 4900 रूपये वापस दिये गये। इससे नई परम्परा की क्षेत्र में जमकर तारीफ हो रही है।

विधायक जी इसलिए भी लगा रहे हैं क्या S.I.R. अभियान में दम उन्हें डर है कहीं भाजपा की वोटिंग ना हो जाए कम!

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मतदाता गहन पुनरिक्षण अभियान चल रहा है। इस अभियान को एसआईआर का नाम दिया है। भजपा इस अभियान में इस संदेश के साथ आ रही है कि वो डैड वोटों को पकड़ेगी और उन्हें वोटर लिस्ट से रिमूव करायेगी। रिमूव कराने का संदेश देते हुए भाजपा के देवतुल्य बीएलओ के साथ गली गली मूव कर रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि एक विधायक एसआईआर अभियान को लेकर बहुत ही ज्यादा सीरियस हैं। उन्होंने जहां मंडल पदाधिकारियों को दायित्व दिये हैं वहीं इन विधायक ने अपनी विधानसभा के सभी पार्षदों को अलर्ट मोड पर कर दिया है। पार्षदों को साफ साफ निर्देश मिल गये हैं कि दस दिन तक बीएलओं के साथ घर घर जाना है। मतदाता सूचि के फॉर्म भरे जाने हैं। सूत्र बताते हैं कि विधायक जी की भागदौड़ देखकर भाजपा वाले भी हैरान हैं। वो ये जानना चाहते हैं कि आखिर विधायक जी एसआईआर अभियान को लेकर इतना सीरियस क्यों हैं। वहीं पता ये चला है कि विधायक जी की अपनी चिंतायें हैं। वो ये बात सबको बता रहे हैं कि एसआईआर फार्म में कई जटिलतायें हैं। अभी तो ये शुरूआत है और अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो ऐसा ना हो कि भाजपा की ही वोटें कम हो जायें। लिहाजा वो पूरा फोकस कर रहे हैं। विधायक जी की जबरदस्त भागदौड़ को देखकर भाजपा के ही एक पार्षद ने कहा कि मुझे लगता है इसके पीछे कोई बड़ा कारण है। क्योंकि भाजपा को वोटर कई विधानसभाओं में वर्किंग है और वो सुबह ही अपने रोजगार पर निकल जाता है। कहीं कहीं तो पति पत्नी दोनों वर्किंग हैं। ऐसे में अगर उन तक फार्म नहीं पहुंचा या पहुंचा और उन्होंने जमा नहीं कराया तो इसका नुकसान भाजपा को हो सकता है।

क्योंकि ये भाजपा का वोटर है और फार्म भरने की इस कवायद में वो वोटर लिस्ट से बाहर हो जायेगा। विधायक जी की चिंता का एक बड़ा कारण यही वर्ग है और विधायक जी इसी वर्ग पर फोकस कर रहे हैं।

उन्हें लग रहा है कि एसआईआर अभियान में भाजपा की वोटें कम ना हो जायें। इसलिए विधायक जी दिन रात पसीना बहा रहे हैं। वो खुद इस पूरे अभियान की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। पार्षदों से लेकर मंडल वालों से अपडेट ले रहे हैं।

राम मंदिर के शिखर पर पीएम मोदी ने किया ध्वजारोहण

बोले- हमारा सपना पूरा हुआ, सदियों के घाव अब भर रहे हैं; योगी ने कहा- सनातन की जीत

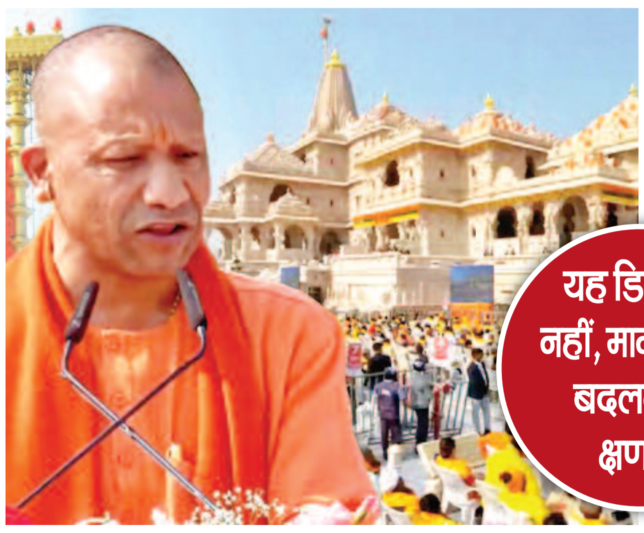

यह डिजाइन नहीं, मानसिकता बदलने का क्षण था

जय श्री राम के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा

पीएम ने सरसंघचालक के साथ सभी मंदिरों में दर्शन-पूजा की

अयोध्या। अभिजीत मुहूर्त के शुभ समय में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवा ध्वज फहराया। इस दौरान जय श्री राम के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। इससे पहले पीएम ने सरसंघचालक के साथ मिलकर सभी मंदिरों में दर्शन-पूजा की। इस मौके पर पीएम मोदी ने अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा बहुत पुराना सपना अब पूरा हुआ। सदियों पुराने घाव थे अब वह धीरे-धीरे भरने शुरू हुए। पीएम ने कहा कि हम ऐसा समाज बनाएं, जहां कोई गरीब न हो। कोई पीड़ित ना हो। यह ध्वज युगों युगों तक श्री राम के आदेशों और प्रेरणाओं को मानव मात्र तक पहुंचाएगा। उन्होंने हर दानवीर, श्रमवीर, कारीगर, योजनाकार, वास्तुकार का अभिनंदन किया। यही वह नगरी है, जहां से श्रीराम ने अपना जीवन पथ शुरू किया था।

'हमने कहा था कि रामलला आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे'

विकसित भारत बनाने के लिए समाज की सामूहिक शक्ति की आवश्यकता है। यहां सप्त मंदिर बने हैं। यहां निषाद राज का मंदिर बना है, जो साधन नहीं साध्य और उसकी भवानाओं को पूजती है। यहां जटायु जी और गिलहरी की भी मूर्ति है। जो बड़े संकल्प की सिद्धि के लिए हर छोटे से छोटे प्रयास को दिखाती है।

इस मौके पर सर संघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए सार्थकता का दिन है। इसके लिए जितने लोगों ने प्राण न्योछावर किए, उनकी आत्मा तृप्त हुई होगी। अशोक जी को वहां पर शांति मिली होगी। आज मंदिर का ध्वजारोहण हो गया। राम राज्य का ध्वज जो कभी अयोध्या में फहराता था, आज वह फहरा गया है। इस भगवा ध्वज पर रघुकुल का प्रतीक कोविदार वृक्ष है। यह वृक्ष रघुकुल की सत्ता का प्रतीक है। यह वह वृक्ष है जिसके लिए कहा जाता है, कि वृक्ष सबके लिए छाया देते हैं, स्वंय धूप में खड़े रहकर, फल भी दूसरों के लिए देते हैं।

जाते जितनी कठिनाईयां हों, सूर्य भगवान उस संकल्प का प्रतीक है। इसमें सिर्फ एक ही पहिया है। जैसे सपना उन लोगों ने देखा था, बिल्कुल वैसा ही या यूं कहें कि उससे भी भव्य मंदिर बन गया है। सीएम योगी अदित्यनाथ के संबोधन में एक नई उर्जा दिखाई दी। उन्होंने कहा कि मंदिर के शिखर फहरा रहा यह केसरिया ध्वज नए भारत का प्रतीक है। 500 वर्षों में समय बदला, नेतृत्व बदला, लेकिन आस्था न झुकी, न रुकी।

जब आरएसएस के हाथ में कमान आई तो सिर्फ एक ही आवाज गूंजती रही। रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे।

बटन दबते ही मंदिर के शीर्ष पर फहराया ध्वज, मोदी हुए भावुक

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण पूरा हुआ। पीएम मोदी के बटन दबाते ही झंडा धीरे-धीरे ऊपर चढ़ता हुआ मंदिर के शीर्ष पर विराजमान हो गया। जैसे-जैसे झंडा ऊपर चढ़ता गया पीएम मोदी टकटकी लगाए उसे देखते रहे। पीएम मोदी इन पलों में भावुक नजर आए।

अयोध्या वह भूमि, जहां आदर्श आचरण में बदलते हैं

ध्वजारोहण के समय सामने की कतार में साधु-संत बैठे हुए थे। वह भी भावुकता में अपने आंसू पोछते हुए नजर आए। इस कार्यक्रम में देश-दुनिया के करीब आठ हजार लोग आमंत्रित किए गए थे।

शुभ मुहूर्त पर हुआ ध्वजारोहण : निर्धारित शुभ मुहूर्त में प्रधानमंत्री ने राम मंदिर के मुख्य शिखर पर धर्मध्वज फहराया। जैसे ही केसरिया ध्वज पवन के संग लहराया, पूरा परिसर ह्यजय श्री रामह्ल के उद्घोष से गूँज उठा। क्षण भर में वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया और श्रद्धालुओं की भावनाएँ उमंग में बदल गईं।

2 किलो का केसरिया ध्वज, 161 फीट ऊंचे शिखर पर फहरी

अयोध्या। पीएम मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। सुबह 11.50 बजे अभिजीत मुहूर्त में बटन दबाते ही केसरिया ध्वजा 161 फीट ऊंचे शिखर पर फहरने लगी।

इससे पहले उन्होंने साकेत कॉलेज से रामजन्मभूमि तक डेढ़ किमी का रोड शो किया। जगह-जगह महिलाओं ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत ने ऐतिहासिक ध्वजारोहण से पहले अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की पूजा की। इसके बाद पीएम मोदी ने सीएम योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ माता अन्नपूर्णा मंदिर में पूजा-अर्चना की। पीएम मोदी रामजन्मभूमि परिसर पहुंचे। यहां सप्त ऋषियों के मंदिर में पूजन किया। सप्त ऋषि मंदिर में महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुह और माता शबरी के मंदिर शामिल हैं।

मानसिक गुलामी ने 'राम' को भी काल्पनिक बताया : मोदी

अयोध्या। 'पिछले 11 वर्ष में महिला, दलित, पिछड़े, आदिवासी, वंचित, किसान, युवा को विकास के केंद्र में रखा गया है। रामलला प्राण प्रतिष्ठा पर राम से राष्ट्र की चर्चा की थी, हमें एक हजार वर्ष के लिए भारत की नींव मजबूत करनी है। जो सिर्फ वर्तमान सोचते हैं, वह आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय करते हैं। हमें भावी पीढ़ियों के लिए भी सोचना है, क्योंकि जब हम नहीं थे, तब भी देश था। जब हम नहीं रहेंगे तब भी देश रहेगा।'

ये बातें पीएम मोदी ने अयोध्या में कहीं। उन्होंने कहा, आज से 190 साल पहले 1835 में लार्ड मैकाले ने मानसिक गुलामी की नींव रखी थी। दस साल बाद यानी 2035 में उस अपवित्र घटना को दो सौ साल पूरे हो रहे हैं।

अभी गुलामी की इस मानसिकता ने डेरा डाला हुआ है : पीएम मोदी ने कहा, अभी गुलामी की इस मानसिकता ने डेरा डाला हुआ है। हमने नौसेना के ध्वज से गुलामी की मानसिकता को हटाया। ये गुलामी की मानसिकता ही है, जिसने राम को नकारा है। भारतवर्ष के कण कण में भगवान राम हैं।

लेकिन, मानसिक गुलामी ने राम को भी काल्पनिक बता दिया। आने वाले एक हजार वर्ष के लिए भारत की नींव तभी मजबूत होगी, जब आने वाले 10 साल में हम मैकाले की गुलामी से छुटकारा पा लेंगे। 21वीं सदी की अयोध्या विकसित भारत का मेरुदंड बनकर उभर रही है।

अभियान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। एडीएम प्रशासन ज्योति मौर्य मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर पूरी तरह से एक्टिव मोड में है। मंगलवार को एडीएम प्रशासन ज्योति मौर्य मुरादनगर के विजय मंडी इलाके में पहुंची। यहां उन्होंने एस आई आर अभियान में लगे बीएलओ को अपने साथ लिया और मतदाताओं के बीच पहुंचे। यहां उन्होंने ब्लू के साथ स्थानीय मतदाताओं को यह जानकारी दी कि किस तरह से दिए गए फॉर्म को भरना है। एडीएम प्रशासन ज्योति मौर्य ने बीएलओ को भी निर्देशित किया कि वह मतदाताओं को पूरी तरह से यह फॉर्म भरने में सहयोग करें और उन्हें सहज और सरल तरीके से इसकी जानकारी दें।

एसआईआर ड्यूटी में लगे शिक्षक ने जहर खाया... मौत, डीएम ने दबाव होने से किया इनकार, बोलीं- पारिवारिक मामला

लखनऊ। वीडियो में शिक्षक ने दबाव के कारण जहर खाने की बात कही है। उन्होंने एसडीएम, बीडीओ व लेखपाल पर दबाव डालने का आरोप लगाया। लखनऊ में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्क) अभियान में बीएलओ के रूप में तैनात जैतपुर माझा प्राथमिक विद्यालय के सहायक अध्यापक विपिन यादव (35) ने मंगलवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया।

'मुख्यमंत्री को लेकर भ्रम पर कांग्रेस हाईकमान को लगाना होगा पूर्ण विराम', सीएम सिद्धारमैया

बंगलूरू। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद और शासन परिवर्तन को लेकर कांग्रेस में चल रहा सत्ता संघर्ष अभी भी थम नहीं पाया है। मंगलवार को एक तरफ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया एक बार फिर पार्टी हाई कमान के फैसले का राग गाया। उन्होंने कहा कि पार्टी हाई कमान को राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहे भ्रम को खत्म करना ही होगा। सिद्धारमैया ने इस दौरान फिर से इस बात को दोहराया कि वे सीएम बदलने के मामले में हाई कमान के फैसले का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि विधायक पार्टी नेतृत्व से मिलकर अपनी राय साझा कर सकते हैं। सरकार ने 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा किया।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ

सरकार का 30 नवंबर को सर्वदलीय बैठक का प्रस्ताव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लगातार हंगामे की भेंट चढ़ रहे संसद सत्र को ठीक ढंग से चलाने के लिए सभी विपक्षी दलों को बातचीत के लिए साथ लाने की कोशिश शुरू कर दी है। न्यूज एजेंसी एएनआई के सूत्रों के मुताबिक, इसी कड़ी में संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने 30 नवंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। केंद्र सरकार इसके जरिए शीत सत्र की कार्यवाही को ठीक ढंग से चलाने को लेकर सहमति बनाने की कोशिश करेगी।

बता दें कि संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है और सरकार इस बार 10 नए विधेयक (बिल) पेश करने की तैयारी में है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है 'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025', जो देश के नागरिक परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का रास्ता बनाएगा। अब तक यह क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहा है। सरकार का कहना है कि यह

नया कानून परमाणु ऊर्जा के उपयोग और उसके नियमन से जुड़े ढांचे को आधुनिक और प्रभावी बनाएगा। इससे देश में ऊर्जा उत्पादन और तकनीकी विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव का प्रस्ताव : सत्र के एजेंडे में हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल भी शामिल है।

लोकसभा के बुलेटिन के मुताबिक यह बिल ऐसे आयोग की स्थापना करेगा, जो विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को अधिक स्वायत्तता दे, उन्हें स्वतंत्र और स्वयं-शासित संस्थान बनने में मदद करे और मान्यता की प्रक्रिया को पारदर्शी और मजबूत बनाए। यह प्रस्ताव काफी समय से सरकार की योजना में रहा है और अब इसे आगे बढ़ाया जा रहा है।

सड़कों, कंपनियों और बाजार से जुड़े अहम संशोधन : सरकार कुछ पुराने कानूनों को भी आसान और आधुनिक बनाने की दिशा में कदम उठाने जा रही है। इसमें कई अहम बिल शामिल हैं।

नेशनल हाईवेज (संसोधन) बिल- राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए जमीन अधिग्रहण को तेज, पारदर्शी और सरल बनाने का लक्ष्य।

कॉरपोरेट लॉज (संसोधन) बिल, 2025- कंपनियों अधिनियम 2013 और एलएलपी एक्ट 2008 में बदलाव के जरिए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देना।

सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड (एसएमसी) बिल, 2025- सेबी अधिनियम, डिपॉजिटरी अधिनियम और प्रतिभूति अनुबंध विनियमन अधिनियम- इन तीन पुराने कानूनों को समेटकर एक ही 'सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड' बनाने का प्रस्ताव। इससे बाजार से जुड़े नियम सरल और एक समान होंगे।

दिल्ली-एनसीआर में सांस लेना मुश्किल, गंभीर स्तर पर एक्यूआई

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली एक बार फिर घने जहरीले स्मॉग की चादर में लिपट दिखी। इंडिया गेट, एम्स, सफदरजंग अस्पताल, आनंद विहार और आईटीओ जैसे प्रमुख इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, शहर के कई हिस्सों में एक्यूआई 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया है, जिससे दिल्ली के लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। सीपीसीबी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार सुबह इंडिया गेट पर एक्यूआई 328, एम्स-सफदरजंग अस्पताल पर 323, आनंद विहार में 402, आईटीओ में 380 दर्ज किया गया।

दिल्ली में सोमवार सुबह की शुरूआत धुंध और हल्के कोहरे के साथ हुई, जबकि आसमान में स्मॉग की चादर छाई रही, जिससे दृश्यता भी प्रभावित हुई। इस कारण सांस संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सोमवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 382 दर्ज किया गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है। यह रविवार की तुलना में 9 अंकों की गिरावट है, लेकिन स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की बात करें तो नोएडा सबसे अधिक प्रदूषित शहर रहा, जहां एक्यूआई 397 दर्ज किया गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में है। गाजियाबाद में यह 396, ग्रेटर नोएडा में 382 और गुरुग्राम में 286 रहा।

भारतीय परिवारों के खर्च का तरीका बदला

रोजमर्रा की जरूरतों से आगे बढ़कर संपत्ति बनाने पर जोर

नई दिल्ली। भारतीय परिवार अपने खर्च की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रहे हैं। प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद की ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार अब घर-घर में बजट केवल रोजमर्रा की जरूरतों पर नहीं, बल्कि लंबे समय में उपयोगी साबित होने वाले सामानों पर भी कंद्रित होने लगा है।

बुनियादी जरूरतों की तुलना में इन सामानों पर खर्च बढ़ा : रिपोर्ट के मुताबिक कपड़े और जूते-चप्पलों जैसी बुनियादी जरूरतों की तुलना में पर्सनल गुड्स और खाना पकाने व घरेलू उपकरणों पर खर्च बढ़ा है। खास बात यह है कि यह रुझान केवल उच्च आय वर्ग में ही नहीं, बल्कि निचले 40% आय वाले परिवारों में भी साफ दिखाई दे रहा है। इसमें कहा गया है कि यह बढ़ती जागरूकता, बेहतर वित्तीय पहुंच और मजबूत बाजार कनेक्टिविटी से प्रेरित है। यह उत्पादकता स्तर और जीवर स्तर में सुधार के लिए महत्वपूर्ण संकेत देता है।

मोटर व्हीकल ओनरशिप देश में सभी टिकाऊ परिसंपत्ति में सबसे तेज : हाउसहोल्ड कंजम्पशन एक्सपेंडिचर सर्वे 2011-12 और 2023-24 के तुलनात्मक विश्लेषण से पता चला कि मोटर व्हीकल ओनरशिप देश में सभी टिकाऊ परिसंपत्तियों में सबसे तेजी से बढ़ रहा है।

रिपोर्ट बताती है कि वाहन स्वामित्व में यह बढ़ोतरी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच तेजी से घटती खाई को भी दशार्ती है। यह रुझान न केवल कुल आबादी में, बल्कि निचले 40% आय वाले परिवारों में भी समान रूप से दिखाई दे रहा है। खासकर शहरी इलाकों में नीचे के आय वर्ग ने व्यापक आबादी के साथ उल्लेखनीय तालमेल बिठाया है। विशेषज्ञों के अनुसार, बेहतर सड़क अवसंरचना, बढ़ता बाजार संपर्क और वाहनों की आसान फाइनेंसिंग जैसी सुविधाएं इस तेज वृद्धि के प्रमुख कारण हैं।

चार प्रमुख टिकाऊ संपत्ती का विश्लेषण : सर्वे में मोटर व्हीकल, रेफ्रिजरेटर, टेलीविजन और मोबाइल हैंडसेट, इन चार प्रमुख टिकाऊ संपत्तियों पर किए गए विश्लेषण में पाया गया इन सामानों को रखने में लोगों के बीच का फर्क तेजी से कम हो रहा है।

टेलीविजन स्वामित्व में आई गिरावट

सर्वे के अनुसार जहां मोटर वाहन और अन्य टिकाऊ वस्तुओं की खरीद तेजी से बढ़ी है, वहीं टेलीविजन स्वामित्व में वृद्धि कहीं अधिक धीमी रही है। कई राज्यों के शहरी इलाकों में तो टीवी रखने वाले परिवारों की संख्या कुल आबादी और निचले 40% आय समूह दोनों में घटती दिखाई दी है।

मोबाइल फोन ले रही टीवी की जगह

रिपोर्ट के अनुसार, मोबाइल फोन की लगभग सार्वभौमिक पहुंच ने उपभोग की आदतों को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। अब सूचना और मनोरंजन के प्राथमिक माध्यम के रूप में मोबाइल टीवी की जगह ले रही है।

कभी दिल्ली में जाटों के बीच जम कर नाचे थे बॉलीवुड के 'ही-मैन'

यादों में धर्मेंद्र

नई दिल्ली। वर्ष 2007 में तालकटोरा स्टेडियम में जाट सम्मेलन में नगाड़ों की थाप, हरियाणवी लोकगीतों की झंकार और कोट पैंट पहने धर्मेंद्र ऐसे नाच रहे थे, जैसे अपनी ही मिट्टी पर लौटकर फिर से जवान हो गए थे। नगाड़ा बजा और धर्मेंद्र ने हाथ उठाकर ठेठ हरियाणवी अंदाज में कदम थिरकाई तो पूरा स्टेडियम झूम उठा।

सोमवार को उनके निधन की खबर के बाद दिल्ली के जाट समुदाय में यही यादें फिर से ताजा हो गईं। तालकटोरा में उनका भाषण सुनने वाले लोग आज उसी लहजे में बोले, धर्मेंद्र सिर्फ स्टार नहीं थे, वो हमारे दिल का टुकड़ा थे। उस समय अखिल भारतीय जाट महासभा की युवा ईकाई के महासचिव नरेश शौकीन कहते हैं कि मंच पर आते ही धर्मेंद्र ने भावुक कर दिया था। धर्मेंद्र ने भीड़ को देखा और पहला वाक्य बोला, आज आपके बीच आकर एक ऐसी खुशबू आ रही है, कहीं बाप की शफकत, कहीं भाई का प्यार, कहीं बच्चों का स्नेह।

ये कहते हुए उनकी आवाज भर आई और स्टेडियम में बैठे लोग जैसे एक साथ भावुक हो गए। तभी धर्मेंद्र ने कहा, मैं उस कौम का बच्चा हूं जिसे अन्नदाता कहा जाता है।

इस वाक्य पर तालकटोरा स्टेडियम जयघोष से भर गया था। ये लाइन सुनकर लगा कि धर्मेंद्र सिर्फ भारत के नहीं, हमारी मिट्टी के चेहरे हैं।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल नंदू कुशवाहा पुत्र श्री राम भजन व उनकी पत्नी श्रीमती किशमति देवी निवासी 511 गली नंबर 10 सेवा नगर गाजियाबाद ने अपने पुत्र अनुज व उसकी पत्नी को उसके असामाजिक व्यवहार कृत्यों से परेशान होकर बेदखल कर दिया था। अब दोनों ने व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक रूप से क्षमा याचना की जिस कारण से उनका संबंध बेदखल समाप्त कर रहा है और उनको आज दिनांक 25.11.2025 से अपने परिवार में शामिल कर रहा है। इन दोनों का प्रार्थी के संपत्तियों पर पहले की तरह बरतने का पूर्ण अधिकार होगा। यह नोटिस प्रकाशित कर दिया।

नोटिस देहिन्दा
श्याम वर्मा एडवोकेट
38 चेंबर जनपद न्यायालय परिसर राज नगर गाजियाबाद
98105 2 6498

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

तीन प्वॉइंट पर आई फॉरेंसिक जांच नहीं सामने आई गोली चलने की बात

पार्षद शीतल चौधरी पर जानलेवा हमले का मामला पुलिस के लिए अनसुलझा केस न बन जाए

फॉलोअप

गाजियाबाद, करंट क्राइम : भारतीय जनता पार्टी की वार्ड नौ की महिला पार्षद शीतल चौधरी पर लगभग एक महीने पहले हुए जानलेवा हमले के मामले में फॉरेंसिक की रिपोर्ट सामने आ गई है। निवाड़ी फॉरेंसिक की रिपोर्ट को विशेष टीम ने तीन बिंदुओं पर जांच की थी। इसमें पहला बिंदु यह था कि गाड़ी के शीशे और किसी हिस्से में ब्लैकनिंग या गोली चलने के निशान तो नहीं मिले हैं। दूसरा गाड़ी के किसी हिस्से में गोली टकराई है और तीसरा क्या गोली एक ही स्थान से चली और एक ही प्वॉइंट से निकली है। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में निवाड़ी की फॉरेंसिक जांचशाला से जो रिपोर्ट आई है, इसमें गोली चलने के किसी भी सबूत की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं पुलिस की अबतक की जांच से यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस मामले में जिन हमलावरों ने गोली चलाई थी, वह किस वाहन में थे। किस दिशा से आए और किधर को गए। पुलिस को ऐसा भी कोई सीसीटीवी फुटेज या सर्विलास से अपडेट नहीं मिली है। डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल ने जानकारी दी है कि पार्षद शीतल चौधरी के मामले में फॉरेंसिक रिपोर्ट में गोली चलने की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने बताया है कि फॉरेंसिक टीम ने पूरी जांच की बिंदुवार पड़ताल की लेकिन कोई ऐसा सबूत नहीं मिला है।

पार्षद शीतल चौधरी बोलीं, पुलिस बताए फिर कैसे टूटा शीशा और कैसे आए गाड़ी पर निशान

करंट क्राइम : पार्षद शीतल चौधरी का इस मामले में कहना है कि फोरेंसिक की रिपोर्ट तो कह रही है की गोली नहीं चली है, तो पुलिस के आलाधिकारियों को जवाब देना चाहिए कि उनकी गाड़ी में निशान कहां से मिला और शीशा कैसे टूटा है। उन्होंने कहा है कि वह इस मामले में पुलिस की जांच से संतुष्ट नहीं हैं। पुलिस के द्वारा इस मामले में संघनता से जांच नहीं की गई है। पार्षद शीतल चौधरी ने कहा है कि जल्द ही इस मामले को लेकर वह नई लड़ाई शुरू करेंगी। जिसकी जानकारी वह जल्द ही देंगी।

पार्षद शीतल चौधरी ने कहा कि वह पुलिस की जांच से संतुष्ट नहीं हैं।

फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम ने तीन बिंदुओं पर जांच की थी। जिसमें गोली चलने का कोई साक्ष्य नहीं मिला है। पुलिस अन्य बिंदुओं पर जांच कर रही है।

धवल जायसवाल,
डीसीपी सिटी

क्या जानलेवा हमले का मामला रह जाएगा अनसुलझा, नहीं खुलेगा राज

करंट क्राइम : भाजपा की पार्षद शीतल चौधरी पर मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र में एक महीने पहले हुए जानलेवा हमले के मामले में फॉरेंसिक की रिपोर्ट के बाद भी स्थिति साफ नहीं हो पाई है। वही सवाल जस का तस बना हुआ है कि आखिर महिला पार्षद पर किसने गोली चलाई थी। गोली चलाने वालों का मकसद क्या था और हमलावर कौन थे। पुलिस अबतक की जांच और फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद कोई ऐसा साक्ष्य नहीं दे पाई है। जिससे घटना को लेकर जो सवाल उठ रहे हैं, वह शांत हो पाएं। बता दें कि पार्षद शीतल चौधरी नोएडा से आ रही थी और सेक्टर-23 जा रही थीं। इसी दौरान उनकी क्रेटा कार पर मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र में रहीसपुर रोड पर जानलेवा हमला किया गया था। जिसके बाद भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी मधुबन बापूधाम थाने पहुंचे थे। मुकदमा लिखवाया गया था और मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग उठी थी। इसके बाद खुद शीतल चौधरी पुलिस कमिश्नर से लेकर एसीपी और अन्य अधिकारियों से मिली थी, पर अबतक इस मामले में यह मसला पहेली बना हुआ है ।

आखिर भाजपा के वो पूर्व विधायक हैं कौन जिन्होंने... टिकट के आश्वासन के बाद धारण कर लिया है मौन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में कई बार नेता की बातचीत की टोन बताती है कि सियासत का पैरामीटर क्या चल रहा है। कई बार बड़े नेताओं का मौन पूरे माहौल को सस्पेंस से भर देता है। राजनीति में शासन किसका है ये बड़ी बात है। राजनीति में अनुशासन बड़ी बात है और पॉलिटिकल कैरियर में सियासत के बड़े दरवाजे से मिला आश्वासन भी बहुत बड़ी बात है। भगवा सियासत की बात करें तो यहां हर कोई अपनी राजनीति को सेट करने के लिए दिल्ली, लखनऊ से लेकर

नागपुर के दरवाजों पर माथा टेक रहा है। राजनीति में भागदौड़ के साथ साथ नेता का होर्डिंग पर आना जरूरी है। उसके बैनर दिखने जरूरी हैं। इन दिनों तो सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफॉर्म है जिस पर नेता ये बताना नहीं भूलते कि आज इन नेता के यहां शादी में रहना हुआ, आज क्षेत्र में आये बड़े नेता का सानिध्य मिला। कुल मिलाकर सार ये है कि टिकट वाली रेस में अपने फेस को अंतिम समय तक बनाये रखा जाता है। वहीं सियासत का एक दूसरा तरीका ये है कि यहां पूरे मामले में सीन को साईलेंट कर लिया जाता है। सूत्र बताते हैं कि इन दिनों भाजपा के एक पूर्व विधायक ने खुद को साईलेंट मोड पर कर लिया है। भाजपा के ये पूर्व विधायक लॉयन जैसा अंदाज रखते हैं और इनके लहजे में दहाड़ है, मगर सुना है कि अब भाजपा के ये पूर्व विधायक पूरी तरह मौन धारण किये हुए हैं और ये दहाड़ भी नहीं रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि ये बीच बीच में पार्टी में कार्यक्रमों में आते हैं, अपना चेहरा भी दिखाते हैं। लेकिन उसके बाद ये फिर शांत हो जाते हैं। खुद को बयान से दूर कर लिया है और खुद को सियासी भाग दौड़ से दूर कर लिया है। भाजपा ने इन पूर्व विधायक ने पॉलिटिकली खुद को मौन कर लिया है। पूर्व विधायक के इस मौन के पीछे की वजह भी पता चली है। करंट क्राइम ने जब पूर्व विधायक के इस अंदाज को लेकर पूरे सीन को टटोला तो पता चला की सीन में टिकट वाला आश्वासन आ गया है। पूर्व विधायक के मौन का राज ये है कि उन्हें भाजपा सियासत के बहुत ही बड़े चेहरे का आशीर्वाद प्राप्त हो गया है। सूत्र बताते हैं कि बड़े चेहरे ने पूर्व विधायक को ये निर्देश दे दिये हैं कि अब तुम टिकट के लिए ना तो ज्यादा जोर लगाओगे, सियासी रूप से कोई भी मसला हो तुम ना ही बहुत ज्यादा शोर मचाओगे। सूत्र बताते हैं कि पूर्व विधायक को बड़े नेता द्वारा टिकट के लिए आश्वस्त कर दिया गया है। टिकट वाला आश्वासन मिलने के बाद ही भाजपा के पूर्व विधायक ने खुद को साईलेंट मोड पर कर लिया है।

चुनाव लड़ने की हसरतें दे रही हैं जबरदस्त तरीके से दिखाई

सुना है इन पूर्व विधायक ने दीपावली पर धौलाना में थी खूब सारी मिठाइयां बंटवाईं

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश के वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव आने के बीच में अभी पूरा वर्ष 2026 का समय पड़ा है। लेकिन चुनाव लड़ने वालों की हसरतों ने अंगड़ाई लेनी शुरू कर दी है। कौन किस सीट पर चुनाव लडेगा, कौन किस सीट क्या समीकरण रहेंगे, किस सीट पर किससे आशीर्वाद से बात बनेगी। इन तमाम बातों को ध्यान में रखते हुए कई चेहरों ने अपनी गोटियों को बिठाना शुरू कर दिया है। सूत्र बताते हैं कि कई

विपक्षीय पूर्व विधायक तो भाजपा की मजबूत स्थिति को देखते हुए अपनी विधानसभा को भी एक्सचेंज करने का मन बना चुके हैं।

ये पूर्व विधायक वर्तमान में चल रहे गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान में भी आपको ज्यादा अपने क्षेत्र से जहां से इन्होंने कभी चुनाव लड़ा था वहां पर भी एक्टिव दिखाई नहीं दे रहे होंगे। बात पूर्व विधायक के खेमे से नहीं बल्कि भाजपा के खेमे से बाहर आई है। यहां पर इन पूर्व विधायक के दल नहीं बल्कि मन परिवर्तन की चर्चाएं जोरों पर हैं। सूत्र बताते हैं कि भाजपा के बिरादरी वाले विधायकों को इस बात का एहसास हो गया है कि ये पूर्व विधायक अब किसी और पिच पर पारी खेलने की तैयारी कर चुके हैं। सूत्र बताते है कि इन पूर्व विधायक ने धौलाना विधानसभा को अपनी प्रोयरिटी के टॉप पर रख दिया है।

भगवा विधायकों को ये भी जानकारी है कि विपक्ष के इन पूर्व विधायक ने हाल ही में सम्पन्न हुए दीपावली पर्व पर धौलाना विधानसभा में खूब सारी ब्रांडेड कंपनी की मिठाईयों का वितरण घर-घर कराया है। फिलहाल चर्चाएं आम हो चुकी हैं। अब ये तो पूर्व विधायक ही बतायेंगे कि इन चर्चाओं में कितना दम है। कुछ है मामला या फिर पानी कम है।

बैंक मैनेजर ने 14वीं मंजिल से कूदकर दी जान, संपत्ति विवाद और तनाव की आशंका

- पुलिस जांच में जुटी

गाजियाबाद , करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट के सिटी जोन स्थित राजनगर एक्सटेंशन में मंगलवार की सुबह एक सनसनीखेज मामला सामने आया, जहां एक बैंक मैनेजर ने 14वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली।

घटना की सूचना पर पीआरवी और थाना नंदग्राम पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान रोहित बतरा (40 वर्ष) निवासी हापुड़, के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि वह बैंक में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। घटना ऑफिसर सिटी वन अपार्टमेंट में हुई। पुलिस ने घायल हालत में रोहित को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिवारिक संपत्ति विवाद भी आया सामने

करंट क्राइम : एसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय का कहना है कि प्रारंभिक जांच में पुलिस को परिवारिक संपत्ति विवाद की जानकारी मिली है। सूत्रों के अनुसार मृतक पिछले कुछ समय से तनाव में था। हालांकि पुलिस इसे आत्महत्या बता रही है, लेकिन अन्य एंगल्स पर भी जांच की जा रही है।

परिजनों और पड़ोसियों के बयान दर्ज

करंट क्राइम : थाना नंदग्राम पुलिस ने परिवारजनों व आसपास मौजूद लोगों के बयान दर्ज कर लिए हैं। परिजनों की तहरीर पर उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है ।पोस्टमार्टम और पंचायतनामा की कार्यवाही पूर्ण हो गइ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। वहीं घटनास्थल पर कानून व्यवस्था सामान्य बताई जा रही है। एसीपी नंदग्राम श्रीमती उपासना पांडे ने बताया यह मामला प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

जब अखिलेश यादव ने मिलाया सुशांत गोयल से हाथ

सवाल, टिकट हाथ पर रहेगा या आएगा साइकिल वालों के पास

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में संदेश होते हैं और बड़े नेताओं का आत्मीय अंदाज कई बार कुछ संभावित घटनाओं के आगाज का पहले ही संदेश देता है। हाल ही में दिल्ली में पूर्व विधायक अमर पाल शर्मा की बिटिया की शादी थी। इस विवाह समारोह में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव दिल्ली आये थे। अखिलेश यादव इस विवाह समारोह में लगभग एक घंटा तक रूके। पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को देखने और उनसे मिलने का क्रेज यहां दिखाई दिया। केवल समाजवादी ही नहीं यहां कई चेहरे अन्य दलों के लिए ऐसे थे जो चाहते थे कि एक बार अखिलेश यादव के दीदार हो जायें और हमारा प्रणाम भी स्वीकार हो जाये। नमस्ते का दौर चल रहा था और सब मिल रहे थे। सूत्र बताते हैं कि इस विवाह समारोह में कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा का चुनाव लड़ चुके सुशांत गोयल भी पहुंचे थे। सुशांत गोयल की मुलाकात समाजवादी पार्टी के एक पूर्व जिलाध्यक्ष ने कराई। मंच के आसपास भीड़ थी और इसी बीच सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ने सुशांत का हाथ थामा और भीड़ को चीरते हुए उन्हें सीधा अखिलेश यादव के सामने खड़ा कर दिया। अब पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष लेकर आये हैं और वैसे भी अखिलेश यादव सुशांत गोयल को

पहचानते हैं। सुशांत गोयल से अखिलेश यादव ने हाथ मिलाया और जब सपा सुप्रिमो अखिलेश यादव ने सुशांत गोयल का हाथ अपने हाथ में लिया तो यही पैगाम आया कि कहीं शहर सीट पर सपा कांग्रेस को चांस तो नहीं देने जा रही। क्योंकि हाथ वालों से समाज वादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाथ मिला रहे हैं तो संदेश ज्यादा स्वभाविक है, चर्चा होनी स्वभविक है। अब ये भी चर्चा है कि डेढ दशक से यहां समाजवादी पार्टी ने कई उम्मीदवार उतारे मगर वो सफल नहीं हुए। अब सपा यहां चुनाव लड़ाने वाली भूमिका में हो और कांग्रेस का कोई उम्मीदवार आये। कौन कब लड़ा और क्या नतीजा रहे इसके कई नाम फहरीस्त में आये। हाथ मिलाने से सुशांत गोयल भी गदगद नजर आये। सुशांत गोयल पूर्व सांसद स्वर्गीय सुरेन्द्र गोयल के सुपुत्र हैं। सुरेन्द्र गोयल राजनीति की एक ऐसी हस्ति रहे हैं जिन्होंने पार्षद , नगरपालिका अध्यक्ष, विधायक और लोकसभा सांसद का चुनाव जीता है। स्वर्गीय सुरेन्द्र गोयल कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की गुडबुक के नेता रहे और उनके पुत्र सुशांत गोयल भी चुनाव लड़ चुके हैं। मगर जिस तरह से साईकिल वालों की पार्टी के मुखिया ने हाथ वालों की पार्टी के नेता का हाथ थामा है उससे सियासत में अलग संदेश जा रहे हैं।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट: चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

संपादकीय

अमर रहेगा धर्मेंद्र अभिनय

आमतौर पर उन्हें एक्शन फिल्मों में ही मैन यानी मजबूत कद-काठी की आकर्षक छवि वाले अभिनेता के तौर पर देखा जाता है, लेकिन सच यह है कि उनका दायरा इससे काफी बड़ा था।

धर्मेंद्र फिल्मी दुनिया के ऐसे शानदार अभिनेताओं में शुमार किए जाते रहे, जिनके चाहने वाले हिंदी पट्टी से लेकर देश की सीमाओं के पार सिनेमा के आम दर्शकों और मशहूर हस्तियां तक रहे हैं। जाहिर है, धर्मेंद्र के जाने की खबर से हर तबके के सिनेमा प्रेमियों को गहरा धक्का लगा है। हालांकि हिंदी सिनेमा को अपने लंबे दौर में धर्मेंद्र ने जितना दिया है, उसके बूते वे आने वाले समय में उसी शिद्दत से याद किए जाते रहेंगे, लेकिन फिलहाल उनके नाम के साथ जुड़ी तमाम फिल्मों और उसमें उनके अभिनय को याद किया जाना स्वाभाविक है।

यह कहा जा सकता है कि फिल्मी दुनिया के ज्यादातर कलाकारों की अपनी शैली रही है, मगर धर्मेंद्र ने अपनी एक खास तरह की अदायगी के बूते सिनेमा में जो जगह बनाई, उसमें वे लोगों के दिल में बसने लगे। फिल्मों में अपने करिअर की शुरूआत के बाद सुपर स्टार की होड़ के बरक्स वे करीब दो-ढाई दशक तक एक स्थिर छवि में टिके रहे। यह सही है कि धर्मेंद्र अभिनीत फिल्मों के दीवाने रहे लोगों के बीच सबसे पहले शोले के वीरू का किरदार जीवंत हो उठता है, लेकिन उसके अलावा भी धर्मेंद्र ने जिन फिल्मों में काम किया, उसमें एक अलग छाप छोड़ी।

आमतौर पर उन्हें एक्शन फिल्मों में ही मैन यानी मजबूत कद-काठी की आकर्षक छवि वाले अभिनेता के तौर पर देखा जाता है, लेकिन सच यह है कि उनका दायरा इससे काफी बड़ा था। वह चाहे सामाजिक सरोकार वाले मुद्दे पर बनी फिल्म सत्यकाम में अपने आदर्श को लेकर एक जिद्दी नौजवान हो या अनुपमा के संवेदनशील लेखक का किरदार, या फिर इससे इतर चुपके चुपके में अपने हास्य से दर्शकों के बीच एक अलग छवि में सामने आना, वे किसी खास बंधन वाली छवि में कैद नहीं रहे।

अलग-अलग भूमिकाओं वाली उनकी फिल्मों की एक लंबी श्रृंखला है। उन्होंने राजनीति में भी अपनी उपस्थिति दर्ज की, हालांकि सियासत उन्हें रास नहीं आई। दरअसल, अपने बहुआयामी अभिनय के लिए मशहूर हुए धर्मेंद्र निजी जिंदगी में शायरी को पसंद करने वाले एक भावुक, सादा और दरियादिल इंसान थे। धर्मेंद्र ने अपने चाहने वालों की एक ऐसी दुनिया तैयार की, जहां वे अपनी सजीली मुस्कान के साथ हमेशा मौजूद रहेंगे।

अमेरिका पर तेल टैरिफ हटाने के लिए दबाव बनाए भारत: जीटीआरआई की सिफारिश

नई दिल्ली। जीटीआरआई ने व्यापार बोर्ड से अपील की है कि वह सरकार के साथ अपनी निर्धारित बैठक में दो मुद्दों को प्राथमिकता दें। पहला निर्यात संवर्धन मिशन की त्वरित शुरूआत और दूसरा अमेरिका पर तेल टैरिफ कम करने के लिए दबाव।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने कहा हैं कि भारत को किसी भी व्यापार समझौते से पहले अमेरिका पर तेल से जुड़ा अतिरिक्त टैरिफ हटाने के लिए दबाव डालना चाहिए। यह टैरिफ रूस से तेल खरीदने के विरोध में लगाया गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगर यह शुल्क हटता है तो भारतीय वस्तुओं पर प्रभावी अमेरिकी टैरिफ का बोझ 50% से घटकर 25% रह जाएगा। इससे कपड़ा, चमड़ा, रत्न-आभूषण और दवा जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को बड़ी राहत मिलेगी, जिसका वे लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं।

जीटीआरआई ने व्यापार बोर्ड से अपील की है कि वह सरकार के साथ अपनी निर्धारित बैठक में दो मुद्दों को प्राथमिकता दें। पहला निर्यात संवर्धन मिशन की त्वरित शुरूआत और दूसरा अमेरिका पर तेल टैरिफ कम करने के लिए दबाव। मंगलवार को बीओटी की सरकार के साथ होने वाली बैठक की अध्यक्षता वाणिज्य व उद्योग मंत्री करेंगे। इस बैठक में निर्यात वृद्धि को बढ़ावा देने के उपायों की सिफारिश की जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा बहाल करने और अमेरिका के साथ भविष्य की बातचीत को समान स्तर पर लाने के लिए टैरिफ वापसी जरूरी है। जीटीआरआई ने यह भी याद दिलाया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत ने प्रतिबंधित रूसी कंपनियों से तेल खरीदना काफी हद तक बंद कर दिया है- यही वह आधार था जिस पर यह अधिभार लगाया गया था। इसके अलावा, जीटीआरआई ने सरकार को चेताया कि निर्यात संवर्धन मिशन अभी केवल ढाँचे तक सीमित है। केंद्रीय बजट में घोषित और 12 नवंबर को कैबिनेट द्वारा अनुमोदित इस मिशन के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के आठ महीने बीत जाने के बावजूद कोई परिचालन योजना नहीं बनी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन योजनाओं को तुरंत लागू करना जरूरी है ताकि निर्यात वृद्धि को गति दी जा सके।

छोटे चाय उत्पादकों के संकट पर सीआईएसटीए ने पीएम को लिखा पत्र

नई दिल्ली। सीआईएसटीए ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भेजकर चाय उत्पादकों के विकास को समर्थन देने के लिए एक राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की है।

भारतीय लघु चाय उत्पादक संघों के परिसंघ (सीआईएसटीए) ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भेजकर चाय उत्पादकों के विकास को समर्थन देने के लिए एक राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की है। पत्र में सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने कहा कि छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) देश में कुल चाय उत्पादन में प्रतिवर्ष 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान करते हैं। उन्होंने कहा,हालांकि, एसटीजी को हरी चाय की पत्तियों की अस्थिर कीमतों, ऋण और उचित वैज्ञानिक सहायता तक सीमित पहुंच के कारण गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है। चक्रवर्ती ने कहा कि इसके कारण कई एसटीजी मालिक कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। समूह ने कहा कि उत्पादन लागत में वृद्धि जारी है, लेकिन कीमतों के संदर्भ में प्राप्ति कम है।

परिसंघ के अनुसार ये एसटीजी पर्याप्त रोजगार सृजन करते हैं। पत्र में कहा गया है कि एस.टी.जी. द्वारा उत्पादित हरी चाय की पत्तियों के लिए न्यूनतम स्थायी मूल्य निर्धारित किया जाना चाहिए, साथ ही उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाया जाना चाहिए।

के छोड़ रहे अरबपति, लेबर टैक्स नीति पर व्यापार मंत्री ने जताई चिंता

नई दिल्ली। ब्रिटेन में लेबर सरकार की टैक्स नीतियों का असर अब साफ नजर आने लगा है। ब्रिटेन के व्यापार और वाणिज्य मंत्री पीटर काइल ने स्वीकार किया कि देश के कुछ सबसे अमीर लोग, जिनमें भारतीय मूल के अरबपति स्टील उद्योगपति लक्ष्मी एन मित्तल भी शामिल हैं ब्रिटेन छोड़ रहे हैं। काइल ने कहा कि शीर्ष अमीर वर्ग का देश छोड़ना चिंताजनक है।

काइल ने कहा कि जब भी कोई व्यक्ति महसूस करता है कि उसे यूके छोड़ना पड़ेगा ताकि वह आगे बढ़ सके, तो यह चिंता की बात होती है। उन्होंने कहा कि मुद्दा सिर्फ अरबपतियों का नहीं है। हम अभी उस दौर से निकले हैं, जब हजारों डॉक्टर देश छोड़कर चले गए। मैं नहीं चाहता कि हम सिर्फ अरबपतियों पर ध्यान दें, क्योंकि कई दूसरे लोग भी मजबूर होकर यूके छोड़ रहे हैं। काइल ने यह भी साफ किया कि समस्या सिर्फ टैक्स तक सीमित नहीं है। कई उद्यमी और स्टार्टअप फाउंडर अमेरिका चले गए, क्योंकि उन्हें यहां बढ़ने के लिए जरूरी फंडिंग नहीं मिली। हमने मार्केट को फिर से मजबूत करके इस तरह की मजबूरी को खत्म करने की दिशा में कदम उठाया है।

शेयर बाजार में बिकवाली हावी, सेंसेक्स-निफ्टी फिसले, रुपया भी 4 पैसे कमजोर

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ता जा रहा है। हफ्ते में लगातार दूसरे दिन लाल निशान पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। मंगलवार को सेंसेक्स 313 अंक टूटकर 84,587 पर और निफ्टी 93 अंक गिरकर 25,865 पर पहुंच गया।

घरेलू शेयर बाजार में इस हफ्ते लगातार दूसरे दिन लाल निशान पर क्लोजिंग हुई। मीडिया और आईटी शेयरों में बड़ी बिकवाली के साथ मंगलवार सेंसेक्स 313.70 (0.36%) अंक टूटकर 84,587.01 पर पहुंच गया। दूसरी ओर, निफ्टी 93.91 (0.36%) अंक टूटकर 25,865.60 पर पहुंच गया। इस दौरान अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में तीन फीसदी और ट्रेंट के शेयरों में दो फीसदी की गिरावट देखी गई। रुपया भी चार पैसे टूट गया।

रुपया चार पैसे टूटकर 89.20 पर बंद हुआ

घरेलू शेयर बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच मंगलवार को रुपये ने शुरूआती बढ़त गंवा दी और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे कमजोर होकर 89.20 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 89.02 पर खुला और कारोबार के दौरान 89.27 के निचले स्तर तक गया। विश्लेषकों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने रुपये को सहारा दिया, लेकिन विदेशी फंडों की निकासी और मजबूत डॉलर ने दबाव बनाए रखा।

सोमवार को रुपया 50 पैसे चढ़कर 89.16 पर बंद हुआ था, जबकि शुक्रवार को यह 98 पैसे टूटकर 89.66 पर आ गया था। कमोडिटी रिसर्च मिराए एसेट शेयरखान के अनुज चौधरी ने कहा कि घरेलू बाजारों की सकारात्मकता और तेल की कीमतों में गिरावट ने रुपये को सपोर्ट दिया, हालांकि एफआईआई की निकासी ने तेजी को सीमित कर दिया।

भारत जल्द बनेगा 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था, मुख्य आर्थिक सलाहकार का दावा

नई दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार चार ट्रिलियन डॉलर को पार करने की उम्मीद है। साथ ही उन्होंने अर्थव्यवस्था को हरित दिशा में ले जाने के ऊपर जोर दिया।

वित्त वर्ष 2026 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार चार ट्रिलियन डॉलर को पार करने की उम्मीद है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक भू-राजनीति एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। ऐसे में तेजी से आर्थिक वृद्धि भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थिति और वैश्विक प्रभाव बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मार्च 2025 के अंत तक देश की जीडीपी 3.9 ट्रिलयन डॉलर थी

भारत वर्तमान में लगभग 3.9 ट्रिलियन डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स समिट 2025 में बोलते हुए

नागेश्वरन ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष के दौरान चार ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगी। उन्होंने बताया कि मार्च 2025 के अंत में देश की जीडीपी 3.9 ट्रिलियन डॉलर थी और अब यह उससे आगे निकल रही है।

अर्थव्यवस्था को हरित दिशा में ले जाने पर दिया जोर

नागेश्वरन ने कहा कि अर्थव्यवस्था को हरित दिशा में ले जाने, ऊर्जा संक्रमण, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने से जुड़ी सभी पहलें भारत की निकट और मध्यम अवधि की प्राथमिकताओं के अनुरूप होनी चाहिए।

रोचक तथ्यों का करंट

- वे किसान जिन्होंने किसी नाम से अपनी गायों को बुलाया है, उन लोगों ने ऐसा ना करने वालों की तुलना में 258 लीटर अधिक दूध उपज दर्ज किया है।
- क्या आप जानते हैं? अधिकांश गायों ने संगीत को सुनने के दौरान अधिक दूध दिया है।
- पूर्वी एशिया में, मंगोलिया में दूध का भारी मात्रा में इस्तेमाल किया गया था, लेकिन चीन में दूध की खपत अलग-अलग शैली में परिवर्तित होती रहती थी। दक्षिण कोरिया से आयातित गायों से जापानी डेयरी उत्पादों का उपभोग किया गया था!
- आपको जानकर आश्चर्य होगा की दूध की बाल्टी में एक मेंढक डालने से दूध को खारा होने से बचाने का एक प्राचीन रूसी तरीका था। इस पद्धति का अध्ययन करके, वैज्ञानिकों ने नए एंटीबायोटिक पदार्थों के धन की पहचान की है।
- क्या आप जानते हैं? याक का दूध गुलाबी होता है!
- दूध ही एकमात्र पूर्ण खाना है जिससे आप पूरी तरह से जीवित रह सकते हैं, जिससे आपके शरीर के हर पोषक तत्व को जीवित रहने की आवश्यकता होती है!

बदली-बदली सी दुनिया

प्रस्तुति करंट क्राइम

संजीव शर्मा
पूर्व पार्षद गांधीनगर, गाजियाबाद

ये नये लोग ये नई दुनिया,
चाहती क्या है जाने क्या मालूम।
दौर दुनिया में रंजिशों का है,
सोचती क्या है जाने क्या मालूम।

अब तो कुछ भी पता नहीं चलता,
हाथ कोई कहाँ छुड़ा लेगा।
जब हवा भी जहर भरी होगी,
बेवफा जिंदगी का क्या मालूम।

हर तरफ शोर बेतुका सा है,
आग है सब धुआँ धुआँ सा है।
तीरगी छा गई दिमागों में,
खौफ कितना है जाने क्या मालूम।

नफरतें इस कदर बढ़ा लीं हैं,
तंग रहता है आदमी खुद से।
होड़ ऐसी कि घुट रहा है दम,
जीतना चाहता है क्या मालूम।

हम हैं उम्मीद जगाने वाले,
दीप आशा के जलाने वाले।
रुख हवाओं का हम बदल देंगे,
हौसला आँधियों को क्या मालूम।

साथ लेकर चलेंगे दुनिया को,
हम सहारा बनेंगे मुश्किल में।
हम बिखरने नहीं देंगे कुछ भी,
सिरफिरे दुश्मनों को क्या मालूम।

राशिफल

मेष: संतुष्ट जीवन के लिए अपनी मानसिक दृढ़ता बढ़ाएँ। जो निवेश योजनाएं आपको आकर्षित कर रही हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें-

वृष: आज आपका दिन अनुकूल रहेगा. आपके मन की इच्छा पूरी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ होगा। भविष्य को बेहतर बनाने के लिए नए कदम उठाएंगे।

मिथुन: आज मिथुन राशि के जातकों के लिए आर्थिक समस्या उत्पन्न हो सकती है. आज का दिन आपको राजकीय सम्मान दिलाएगा। कार्य में प्रगति होगी।

कर्क: आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं और उम्मीदों के लिए नए दरवाजे खोल देगी।

सिंह: आज आपका दिन सामान्य रहेगा. आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं उसमें कुछ रुकावटें आ सकती हैं। किसी पुराने मित्र से मिलने उनके घर जा सकते हैं।

कन्या: आज आपको अपने जीवन में बड़ी सफलता मिलने के योग बनते नजर आ रहे हैं। खासकर शुक्रवार के दिन प्रेम जीवन में आपको अच्छी सफलता मिल सकती है।

तुला: घर का काम करते समय विशेष सावधानी बरतें। घरेलू सामानों का लापरवाही से इस्तेमाल आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

वृश्चिक: आज का दिन आपके लिए बहुत ही शानदार रहेगा। आज आपके प्रयास पूरी तरह सफल होंगे। मित्रों के साथ मनाएंगे। आपका व्यक्तित्व आकर्षक रहेगा।

धनु: आज अगर आपने अपने गुस्से पर काबू नहीं रखा तो आप किसी व्यर्थ के विवाद में फंस सकते हैं। जीवनसाथी के कारण मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

मकर: मनन और आत्मनिरीक्षण लाभकारी सिद्ध होगा। अवास्तविक योजनाएँ धन में कमी कर सकती हैं। समय पर मदद किसी को बड़ी मुसीबत से बचा सकती है।

कुंभ: आज आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा। किसी धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने की योजना बना सकते हैं। सुख मिलेगा। आप फिट महसूस करेंगे।

मीन: आज के दिन आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि सरकार विरोधी प्रवृतियों के कारण समस्या उत्पन्न न हो। व्यय की मात्रा में वृद्धि होगी।

चुटकुले

पति ने पत्नी के लिए सूजी की बनाई खास डिश
पत्नी- सूजी के हलवे में चीनी कम है
पति- लेकिन ये तो उपमा बनाया था मैंने
पत्नी- अच्छा, फिर नमक ज्यादा है उपमा में
पति बेहोश।

एक औरत ने ट्रैफिक सिग्नल तोड़ दिया
पुलिसवाला- रुको
औरत- मुझे जाने दो, मैं एक टीचर हूं
पुलिसवाला- अहा, इस दिन के इंतजार में तो मैं कई सालों से था
लो अब 100 बार लिखो कि मैं कभी ट्रैफिक सिग्नल नहीं तोड़ूंगी!

मरीज: डॉक्टर साहब, मुझे हर वक्त थकान रहती है!
डॉक्टर: कितने घंटे सोते हो?
मरीज: 10-12 घंटे!
डॉक्टर: भाई, ये थकान नहीं आलस का त्योहार है!

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

गुरुवार को होगी डब्ल्यूपीएल की नीलामी

विश्व विजेता खिलाड़ियों पर हो सकती है धनवर्षा, वोलवार्ट पर नजर

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आगामी सत्र से पहले गुरुवार को खिलाड़ियों की मेगा नीलामी होगी। इस बार रिकॉर्ड 277 खिलाड़ी नीलामी का हिस्सा होंगी, जबकि उपलब्ध स्लॉट सिर्फ 73 हैं। नीलामी 27 नवंबर को नई दिल्ली में होगी और भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे से शुरू होगी। इस बार नीलामी महिला विश्व कप की विजेता भारतीय खिलाड़ियों पर धनवर्षा हो सकती है जिसमें दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़ और श्री चरणी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

नीलामी 27 नवंबर को नई दिल्ली में होगी और भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे से शुरू होगी। इस बार नीलामी महिला विश्व कप की विजेता भारतीय खिलाड़ियों पर धनवर्षा हो सकती है।

तेजी से लोकप्रिय हो रहा डब्ल्यूपीएल

पिछले सीजन की तुलना में नीलामी में उतरने वाले खिलाड़ियों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है, जिससे साफ झलकता है कि महिला प्रीमियर लीग तेजी से लोकप्रिय हो रही है और दुनियाभर की महिला क्रिकेटरों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुकी है। नीलामी सूची में इस बार 194 भारतीय खिलाड़ी हैं, जिनमें 52 कैप्ड खिलाड़ी और 142 अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं। कैप्ड मतलब वो खिलाड़ी जो अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं और अनकैप्ड जिन्होंने अब तक अंतरराष्ट्रीय डेब्यू नहीं किया है। इनकी भिड़ंत टीमों के लिए उपलब्ध 50 भारतीय स्लॉट्स के लिए होगी। वहीं विदेशी खिलाड़ियों के सेक्शन में भी बेहतरीन क्रिकेटर्स शामिल हैं। कुल 83 विदेशी खिलाड़ी सूची में हैं, जिनमें 66 कैप्ड खिलाड़ी और 17 अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं। इनके लिए 23 स्लॉट्स उपलब्ध हैं।

भारतीय खिलाड़ियों की होगी भारी मांग

वनडे विश्व कप जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों की भारी मांग होगी। टूनार्मेंट की प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट दीप्ति शर्मा पर अच्छी बोली लगने की संभावना है। उन्हें विश्व कप फाइनल के तुरंत बाद यूपी वॉरियर्स ने रिलीज कर दिया था।

अगर क्रांति और चरणी जैसी युवा खिलाड़ी धनराशि के मामले में दीप्ति की बराबरी कर लें तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। इन दोनों ने विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करके प्रभावित किया था।

यूपी वॉरियर्स के पास सर्वाधिक पर्स उपलब्ध

जिन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों पर दांव लगने के संभावना है उनमें ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग, वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली, इंग्लैंड की प्रमुख स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन, न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन, उनकी हमवतन अमेलिया केर और दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोलवार्ट शामिल हैं। सिर्फ एक खिलाड़ी को रिटेन करने के बाद यूपी वॉरियर्स के पास नीलामी में सबसे अधिक राशि (14.5 करोड़ रुपए) है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स के पास सबसे कम राशि (5.70 करोड़) है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी भारत की

ग्लास्गो में आज मिलेगी औपचारिक मंजूरी, अहमदाबाद खेलों का नया केंद्र

नई दिल्ली। भारत एक बार फिर वैश्विक खेल मंच पर बड़ा कदम रखने जा रहा है। 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी अब लगभग औपचारिक प्रक्रिया भर रह गई है और बुधवार को ग्लास्गो में होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली में इस पर मुहर लगने की पूरी उम्मीद है। यह फैसला भारत को न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय खेल व्यवस्था में और मजबूत बनाएगा, बल्कि 2036 ओलंपिक मेजबानी के सपने की दिशा में भी यह एक महत्वपूर्ण प्रगति मानी जा रही है।

औपचारिक मंजूरी की ओर भारत: कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स बोर्ड ने पहले ही भारत के पक्ष में सिफारिश कर दी थी और अब जनरल असेंबली में इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। भारत के सामने 2030 मेजबानी अधिकारों के लिए नाइजीरिया के अबूजा शहर से प्रतिस्पर्धा थी, लेकिन समिति ने अबूजा को 2034 के लिए संभावित मेजबान के रूप में तैयार करने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। भारत की तरफ से इस कार्यक्रम में संयुक्त सचिव (खेल) कुनाल, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष सांघवी सहित कई प्रतिनिधि मौजूद होंगे।

अहमदाबाद: भारत का नया स्पोर्ट्स कैपिटल

2010 दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद यह दूसरा मौका होगा जब भारत इन खेलों की मेजबानी करेगा। इस बार आयोजन स्थल होगा अहमदाबाद, जिसने पिछले 10 वर्षों में खेल अधोसंरचना में सबसे तेज विकास किया है। शहर में बन रहा सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव इन खेलों की मुख्य धुरी होगा।

तैयारी और इरादे: भारत बड़े मंच पर तैयार

ग्लास्गो 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स बजट कटौती के चलते सीमित खेलों के साथ आयोजित होंगे। इसमें भारत के प्रमुख पदक वाले खेल जैसे कुश्ती, निशानेबाजी, बैडमिंटन और हॉकी शामिल नहीं होंगे, जिससे भारत ने आपत्ति जताई थी, लेकिन क्डअ ने साफ कर दिया है कि 2030 में भारत पूर्ण और भव्य संस्करण आयोजित करेगा। क्डअ संयुक्त सचिव कल्याण चौबे ने कहा, 'हमारी योजना सभी पारंपरिक, अंतरराष्ट्रीय और पदक वाले खेलों को शामिल करने की है।

घोषणाएं बड़ी, तैयारी छोटी गुवाहाटी में खराब बैटिंग के बाद BCCI की घरेलू क्रिकेट नीति पर उठे सवाल

गुवाहाटी। गुवाहाटी टेस्ट में भारत की बल्लेबाजी का जिस तरह से खस्ताहाल हुआ, उसने सिर्फ भारतीय बल्लेबाजों के कौशल पर सवाल खड़े नहीं किए, बल्कि उसने भारतीय क्रिकेट की अंदरूनी प्रणाली पर अंगुली उठा दी है। जिस समय भारतीय क्रिकेट बोर्ड (इउउक) लगातार सार्वजनिक मंचों पर रणजी ट्रॉफी और घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता देने की बात करता है, उसी समय चयन और तैयारी के फैसलों में उसकी प्रतिबद्धता कहीं नहीं दिखी। यह पतन एक सेशन या लापरवाही की गलती नहीं था, बल्कि यह संदेश था कि भारत, टेस्ट क्रिकेट में रणनीति में, चयन के दृष्टिकोण में और धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी में कमी झेल रहा है।

दक्षिण अफ्रीका : 489 रन, भारत 201 पर ऑलआउट

कुलदीप यादव ने पहले दिन के खेल के बाद पिच को रोड यानी सपाट कहा था। यानी ऐसी फ्लैट सतह जहां बल्लेबाज घंटों टिक सकते थे, लेकिन भारत 201 पर सिमट गया। गेंदबाजी में दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन और साइमन हार्मर की क्वालिटी थी, लेकिन भारतीय बल्लेबाज अपनी परिस्थितियों के अनुसार नहीं खेले। तीन विकेट 13 गेंदों में गिरना, सेट बल्लेबाजों का गलत निर्णय लेना और बड़े मौकों पर गलत शॉट चुनना, यह सब तकनीकी हार नहीं, बल्कि सोच और मैच समझ की हार थी। तीसरे दिन का अंत होते-होते दक्षिण अफ्रीका की लीड 310 के पार पहुंच चुकी थी और भारत खुद को गंभीर के कार्यकाल की दूसरी घरेलू व्हाइटवॉश के मुहाने पर खड़ा पा रहा था।

स्किल नहीं, सोच और मानसिकता गिरी

वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने दबाव में 72 रन की साझेदारी कर यह दिखा दिया कि विकेट पर टिकना असंभव नहीं था। उन्होंने तकनीक नहीं बदली, बल्कि उन्होंने सोच और धैर्य बदला। जुरेल ने टी-ब्रेक से ठीक पहले अनावश्यक शॉट खेला। ऋषभ पंत जोश-जोश में विकेट फेंककर चले गए। इन गलतियों ने ये साबित किया कि भारतीय युवा खिलाड़ियों की समस्या शॉट चयन और मानसिक मजबूती में है, न कि प्रतिभा में।

अनुभव सिर्फ उम्र नहीं...एक संपत्ति

टेस्ट क्रिकेट में युवा खिलाड़ियों को मौका देना भविष्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट प्रयोग की प्रयोगशाला नहीं है। यहां कंडीशन पढ़ना, मैच की गति समझना और मानसिक रूप से लंबी लड़ाई लड़ना आना चाहिए और यह सब घरेलू सर्किट में वर्षों तक खेलने से आता है। नायर और सरफराज जैसे बल्लेबाजों के पास वही अनुभव है। वह जानते हैं कि दबाव में धैर्य और धैर्य में रन की रणनीति ही सही है। नायर को जहां एक सीरीज के बाद बैठा दिया गया, वहीं सरफराज अचानक टेस्ट स्क्वॉड से गायब हो गए।

घरेलू क्रिकेट: बात ज्यादा, मौका कम

रणजी ट्रॉफी को भारतीय टेस्ट टीम की नींव बताया जाता है, पर चयन के पैमानों पर उसकी भूमिका कमजोर पड़ती दिख रही है। रिकॉर्ड देखें तो असमानता स्पष्ट दिखती है। नायर और सरफराज जैसे बल्लेबाजों ने घरेलू क्रिकेट में वो प्रदर्शन किया है जो पहले टेस्ट कैप की गारंटी माना जाता था। लेकिन आज स्थिति उलट है। अनुभव कम पर संभावना वाले खिलाड़ी आगे दिख रहे हैं, तो सवाल उठना जरूरी है। अगर घरेलू प्रदर्शन अब चयन का प्राथमिक आधार नहीं है, तो फिर है क्या?

खिलाड़ी	फर्स्ट क्लास मैच	औसत
साई सुदर्शन	38	39.41
ध्रुव जुरेल	31	55.71
करुण नायर	125	50.41
सरफराज खान	60	63.15

हार से सीखना आवश्यक

कुछ लोगों का मानना है कि यह युवा टीम भविष्य के लिए तैयार हो रही है। लेकिन सवाल यह है कि क्या भारत अब सीखते-हारते चरण में है? या यह एक ऐसी टीम है, जो हर मैच जीतने के मानक पर बनी थी? कोहली और रोहित के कार्यकाल में भारत को घरेलू परिस्थितियों में हरा पाना नामुमकिन था।

क्या भारत ने खो दी विराट कोहली वाली जीत की आग

इस पूर्व क्रिकेटर ने टीम की मानसिकता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। भारत की घरेलू परिस्थितियों में इस तरह का संघर्ष बेहद असामान्य है। 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 की व्हाइटवॉश हार के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ शुभमन गिल की कप्तानी में 2-0 जीत ने थोड़ी राहत दी थी, लेकिन वह लय अब टूट चुकी है।

भारतीय टेस्ट टीम की वर्तमान स्थिति को लेकर सवाल लगातार बढ़ते जा रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट में कठिन परिस्थिति और लगातार गिरते प्रदर्शन के बीच पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि मौजूदा भारतीय टेस्ट टीम में वह जीत की भूख और मानसिकता नहीं दिख रही, जो कभी विराट कोहली के दौर में टीम की पहचान थी।

विराट की मानसिकता की कमी?

गोस्वामी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'विराट कोहली को वनडे छोड़कर टेस्ट क्रिकेट जारी रखना चाहिए था। टेस्ट क्रिकेट उन्हें मिस कर रहा है।

खिलाड़ी के रूप में नहीं, बल्कि उस जुनून और ऊर्जा के लिए जिससे उन्होंने टीम को विश्वास दिलाया कि भारत कहीं भी जीत सकता है।' उनका कहना है कि मौजूदा टीम में वह एटिट्यूड, फायर और आत्मविश्वास नहीं दिख रहा, जो कोहली ने टीम में भरा था।

नतीजे बताते हैं गिरावट

भारत की घरेलू परिस्थितियों में इस तरह का संघर्ष बेहद असामान्य है। 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 की व्हाइटवॉश हार के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ शुभमन गिल की कप्तानी में 2-0 जीत ने थोड़ी राहत दी थी, लेकिन वह लय अब फिर से टूट चुकी है।

कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शर्मनाक हार के बाद गुवाहाटी टेस्ट में भारत पहली पारी में सिर्फ 201 रन पर ढेर हो गया, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने 489 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। दक्षिण अफ्रीका 320+ रन (खबर लिखे जाने तक) की बढ़त ले चुका था और मैच पर मजबूत पकड़ बना चुका था।

कोहली युग की तुलना

विराट की कप्तानी में भारत ने टेस्ट क्रिकेट में ऐतिहासिक बदलाव देखा था। टीम इंडिया ने 68 में से 40 टेस्ट जीते और घरेलू धरती पर सिर्फ दो मैचों में हार मिली। फिटनेस संस्कृति, तेज गेंदबाजी और जीत के लिए खेलना टीम की पहचान बन गई थी। उनकी कप्तानी में भारत सिर्फ मैच खेलने नहीं उतरता था, वह मुकाबला जीतने के इरादे से उतरता था।

सिर्फ रन नहीं, रवैया याद आता है

कोहली ने इस साल 123 टेस्ट और 9,230 रन के बाद टेस्ट क्रिकेट से विराम लिया। गोस्वामी का कहना है कि भारतीय टीम को अब सिर्फ एक रन मशीन नहीं, बल्कि एक ऐसा लीडर चाहिए जो ड्रेसिंग रूम में आग जला सके।

कर्नाटक में भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र ने चैंपियन भारतीय टीम को किया सम्मानित

बंगलूरू। भारतीय टीम ने कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में नेपाल को सात विकेट से हराया था। इस टूनार्मेंट का आयोजन पहली बार हो रहा था और भारत इस वैश्विक टूनार्मेंट को जीतने में सफल रहा।

भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम ने टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। जीत के बाद चैंपियन बेटियों का भारत में जोरदार स्वागत हुआ है।

कर्नाटक में भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप 2025 जीतने वाली टीम इंडिया को बधाई और शुभकामनाएं दीं। कर्नाटक भाजपा ने इसका वीडियो भी साझा किया है। भारतीय टीम ने कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में नेपाल को सात विकेट से हराया था। इस टूनार्मेंट का आयोजन पहली बार हो रहा था और भारत इस वैश्विक टूनार्मेंट को जीतने में सफल रहा।

भारत ने नेपाल को पांच विकेट पर 114 रन पर रोक दिया था। जवाब में टीम ने 12 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

गुवाहाटी में बल्लेबाजी फेल होने पर टीम इंडिया दबाव में! फैंस ने ग्रेग चैपल से तुलना की

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर एक बार फिर विवादों के केंद्र में हैं। गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में भारतीय टीम की शर्मनाक बल्लेबाजी ने गंभीर की रणनीतियों और टीम कॉम्बिनेशन पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। कई फैंस और एक्सपर्ट गंभीर की तुलना पूर्व कोच ग्रेग चैपल से कर रहे हैं, जिनके कार्यकाल को भारतीय क्रिकेट का सबसे कठिन दौर माना जाता है।

टीम इंडिया के लगातार बदलते बैटिंग ऑर्डर, अनियंत्रित रोटेशन और पिच आधारित रणनीति ने फैंस को नाराज कर दिया है

गुवाहाटी टेस्ट: उम्मीदों का पतन: बारसापारा स्टेडियम में भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 489 रन के बड़े अंतर से पिछड़ते हुए जवाब देना था, लेकिन पूरी टीम मात्र 201 पर ढेर हो गई। टीम की शुरूआत संतुलित थी और स्कोरबोर्ड 95/1 दिखा रहा था, लेकिन इसके बाद भारतीय बल्लेबाज ध्वस्त होते चले गए। सिर्फ यशस्वी जायसवाल (58) और वॉशिंगटन सुंदर (48) क्रीज पर टिक पाए। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों साइमन हार्मर (3/64) और मार्को यानसेन (6/48) ने भारतीय बल्लेबाजी की कमजोरियों को बेनकाब कर दिया। केएल राहुल (22), ऋषभ पंत (7), और रवींद्र जडेजा (6) जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने निराश किया।

गंभीर की रणनीति पर सवाल

टीम इंडिया के लगातार बदलते बैटिंग ऑर्डर, अनियंत्रित रोटेशन और पिच आधारित रणनीति ने फैंस को नाराज कर दिया है। साल 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 की व्हाइटवॉश हार के बाद यह स्थिति और खराब होती दिख रही है। गंभीर के कार्यकाल में भारत ने इस मैच से पहले 18 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से सात जीते, नौ हारे और दो ड्रॉ रहे हैं।

कोलकाता में हार के बाद टीम इंडिया दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-1 से पीछे है। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में भारतीय फैंस गंभीर को भारतीय ग्रेग चैपल कह रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि चैपल के कोचिंग दौर में भारतीय क्रिकेट ने सबसे कठिन समय देखा था।

स्मृति-पलाश की शादी से पहले नया ट्विस्ट

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना और फिल्ममेकर-कंपोजर पलाश मुछाल की शादी 23 नवंबर को महाराष्ट्र के सांगली में होने वाली थी। तैयारियां पूरी थीं। मेहमान पहुंच चुके थे, लेकिन ठीक उसी समय शादी अनिश्चितकाल के लिए रोक दी गई। आधिकारिक वजह तो परिवार के सदस्यों की स्वास्थ्य आपात स्थिति बताई गई, लेकिन सोशल मीडिया पर कहानी अब कुछ और मोड़ ले चुकी है।

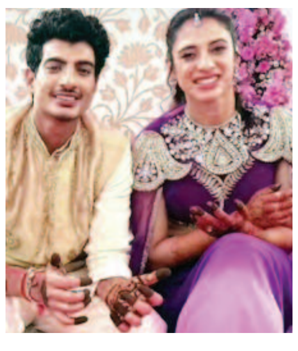

दो दिन में दो लोग अस्पताल में, लेकिन कहानी में ट्विस्ट?

पहले रिपोर्ट आई कि स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना को संभावित हार्ट अटैक के लक्षणों के बाद अस्पताल ले जाया गया। इसके अगले दिन खबर आई कि पलाश मुछाल को भी अचानक स्वास्थ्य समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। इस बीच, लोगों ने सोशल मीडिया पर एक और बड़ी बात नोटिस की कि स्मृति ने चुपचाप अपने इंस्टाग्राम से सगाई की तस्वीरें और प्रपोजल वीडियो डिलीट कर दिए। इसी बीच, पलाश की बहन पलक मुछाल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए परिवार की निजता का सम्मान करने की अपील की। यहीं से अटकलों की शुरूआत हुई।

केवल पलाश की बहन, सिंगर पलक मुछाल ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की, जिसमें लिखा था, 'स्वास्थ्य कारणों से शादी स्थगित की गई है, कृपया निजता का सम्मान करें।'

वायरल स्क्रीनशॉट्स ने विवाद को हवा दी: स्थिति तब और उलझ गई, जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक यूजर ने कथित चैट्स के स्क्रीनशॉट साझा कर दिए गए। इसमें दावा किया गया कि यह चैट पलाश और एक महिला मैरी डी कॉस्टा के बीच के हैं।

एशिया में टेस्ट में कभी चेज नहीं हुआ 400+ का लक्ष्य

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में 500+ रनों की बढ़त ले ली। दक्षिण अफ्रीका ने भारत के सामने जीत के लिए 549 रनों का लक्ष्य रखा है। गुवाहाटी टेस्ट मैच का आज चौथा दिन है और भारत के लिए लक्ष्य हासिल करना बेहद कठिन रहने वाला है। इतिहास को देखें तो भारत ने कभी एशियाई धरती 400 या इससे ज्यादा का लक्ष्य टेस्ट में हासिल नहीं किया है। ऐसे में अगर वह दो मैचों की सीरीज गंवाने से बचना चाहता है तो उसे रिकॉर्ड चेज सफलतापूर्ण हासिल करना होगा। दक्षिण अफ्रीका फिलहाल सीरीज में 1-0 से आगे है।

दक्षिण अफ्रीका ने घोषित की पारी: भारत के सामने गुवाहाटी में 549 रनों का विशाल लक्ष्य है। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर घोषित की। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 489 रन बनाए थे और भारत की पारी 201 रनों पर ऑलआउट कर 288 रनों की बढ़त ली थी।

बेटियों के पराक्रम से दुनियाभर में बढ़ा तिरंगे का मान..

कबड्डी से क्रिकेट तक चैंपियन

नई दिल्ली। यह साल भारतीय महिला खिलाड़ियों के लिए सचमुच स्वर्णिम उपलब्धियों का वर्ष साबित हुआ है। क्रिकेट से लेकर कबड्डी तक और दृष्टिबाधित खेलों से लेकर जूनियर स्तर तक... हर मैदान पर भारतीय बेटियों ने ऐसा परचम लहराया, जिसने देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। अंडर-19 टी20 विश्व कप हो, पहला महिला वनडे विश्व कप, दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप या फिर महिला कबड्डी विश्व कप, हर टूनार्मेंट में भारत की महिला खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किए और विश्व मंच पर भारतीय महिला खेल की ताकत को नए सिरे से स्थापित किया।

अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार खिताब जीता (फरवरी-2025): भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप में लगातार दूसरी बार खिताब जीतकर इतिहास रच दिया।

इस टूर्नामेंट की शुरूआत 2023 में हुई थी और पहले ही संस्करण में शेफाली वर्मा की कप्तानी में भारत ने चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। दो साल बाद, दूसरे संस्करण में निकी प्रसाद की कप्तान में टीम इंडिया ने अपना दबदबा कायम रखते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में महज 82 रन पर रोक दिया गया।

क्रिकेट से लेकर कबड्डी तक और दृष्टिबाधित खेलों से लेकर जूनियर स्तर तक... हर मैदान पर भारतीय बेटियों ने ऐसा परचम लहराया, जिसने देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। आइये देखते हैं...

जवाब में भारत ने 11.2 ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। गोंगाड़ी त्रिशा ने तीन विकेट लेने और नाबाद 44 रन बनाने के साथ ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट दोनों अवॉर्ड अपने नाम किए।

महिला वनडे क्रिकेट टीम ने पहली बार विश्व कप जीता (नवंबर-2025): भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 52 साल के महिला वनडे विश्व कप इतिहास में पहली बार खिताब जीतकर नया अध्याय लिख दिया।

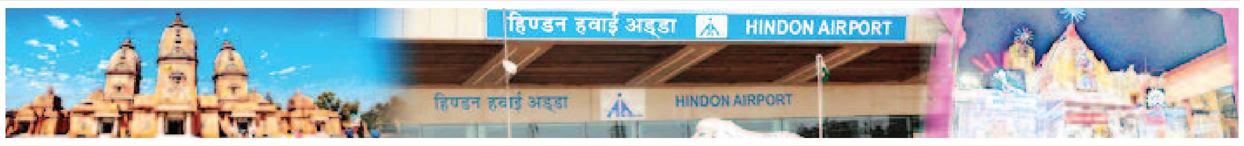

बसपा ने भंग की महानगर इकाइयां, अगड़ी जाति के कार्यकर्ताओं का कैसे होगा समावेश?

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी आए दिन अपनी नीति और फैसलों को बदल रही है। पार्टी नेतृत्व ने 2007 की तरह 2027 में उच्च जाति को साथ लेकर चलने की नीति बनाई है। लेकिन वहीं दूसरी ओर पार्टी ने उत्तर प्रदेश में महानगर इकाइयों को खत्म कर दिया है। महानगर इकाइयों में ही उच्च जाति के कार्यकर्ताओं को समावेश किया जाता रहा है। बसपा में शुरू से ही नीति रही कि जिला अध्यक्ष दलित और जाटव समाज से बनाया जाएगा। वहीं जिला महासचिव का पद भी जाटव समाज के कार्यकर्ता को ही दिया जाता है। जिला उपाध्यक्ष का पद मुस्लिम समाज के कार्यकर्ता को दिया जाता है, जबकि अपर कास्ट के कार्यकर्ता को सिर्फ जिला इकाई में कोषाध्यक्ष का पद दिया जाता है। महानगर इकाई में ऐसा प्रावधान नहीं था। महानगर अध्यक्ष का पद अगड़ी जाति के कार्यकर्ता को दिया जाता रहा है उपाध्यक्ष और महासचिव का पद भी अगड़ी जाति के कार्यकर्ता को दिया जाता रहा है लेकिन सूत्रों के अनुसार पिछले दिनों बसपा नेतृत्व ने उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में महानगर इकाई को भंग कर दिया है।

महानगर इकाइयों को भांग किए जाने के बाद से बसपा में अगड़ी जाति के कार्यकताओं में बेचैनी छा गई है। कार्यकताओं को लग रहा है कि संगठन में अब जगह नहीं मिलेगी। पार्टी नेतृत्व के इस फैसले से अगड़ी जाति के कार्यकताओं को अपने भविष्य को लेकर चिंता सताने लगी है। हालांकि पहले भी बसपा में महानगर इकाई की परिपाटी नहीं थी लेकिन पिछले कुछ वर्षों से महानगर इकाई का गठन किया गया था इसका मकसद अगड़ी जाति के कार्यकताओं को संगठन में समावेश करना था लेकिन पिछले दिनों महानगर इकाइयों को भंग किए जाने के बाद से इस बात को लेकर चर्चा शुरू हो गई कि अगड़ी जाति के कार्यकताओं को किस तरह संगठन में जगह मिलेगी। बसपा ने 2027 विधानसभा चुनाव में 2007 का फामूर्ला अपने की नीति बनाई है। 2007 में बसपा ने अगड़ी जाति के कई लोगों को विधानसभा में टिकट दिया था जिसमें करीब 80 विधायक अगड़ी जाति से चुनकर विधानसभा में पहुंचे थे और मायावती ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। लेकिन 2012 के बाद से ही बसपा से अगड़ी जाति के कार्यकर्ता अलग होते गए। नतीजा यह हुआ कि कभी 'ब्राह्मण शंख बजाएगा और हाथी बढ़ता जाएगा' के नारे के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के बाद बसपा ने नीति बदली तो उसका ग्राफ धीरे-धीरे नीचे आता चला गया।

2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी के सिर्फ एक प्रत्याशी की जीत हुई थी। लोकसभा चुनाव में पार्टी का खाता नहीं खुला था तो ऐसे में अब पार्टी उत्तर प्रदेश में अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। पार्टी ने सर्वजन सुखाय सर्वजन हिताय की नीति के तहत अगड़ी जातियों को लेकर चलने की रणनीति बनाई है।2027 में भी पार्टी बड़ी संख्या में अगड़ी जातियों के लोगों को टिकट देने जा रही है। लेकिन पार्टी के भीतर इस बात को लेकर चर्चा जोरों पर है कि संगठन में अगड़ी जातियों के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की कोशिश क्यों नहीं की जा रही है महानगर इकाई के तहत अगड़ी जाति के कार्यकताओं को पद दिया जाता रहा है। अब महानगर इकाइयों को भंग कर दिया गया तो अगड़ी जातियों के कार्यकताओं को किस तरह से पार्टी के साथ जोड़े रखा जाएगा।

एस.डी.जी.आई. ग्लोबल यूनिवर्सिटी का औद्योगिक भ्रमण सफलतापूर्वक आयोजित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी डिप्लोमा इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, द्वारा नोएडा स्थित ड्यूकैट स्कूल ऑफ एआई ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता में एक महत्वपूर्ण औद्योगिक भ्रमण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

इस भ्रमण ने विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग तथा आधुनिक सॉफ़्टवेयर विकास प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया, जिससे वे उद्योग में उपयोग होने वाली वास्तविक कार्यप्रणालियों को समझ सके। ड्यूकैट स्कूल ऑफ एआई के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों, एआई टूल्स, करियर संभावनाओं, प्रायोगिक डेमो तथा तकनीकी कौशलों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। सत्र की संवादात्मक शैली ने विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक समझ से जोड़ने में अत्यंत सहायक सिद्ध किया।

चांसलर महेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि एस. डी. जी. आई. ग्लोबल यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख एवं कौशल-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। प्रो-चांसलर पीयूष श्रीवास्तव ने बताया कि ऐसे औद्योगिक भ्रमण कक्षा में प्राप्त ज्ञान और वास्तविक उद्योगगत अनुप्रयोग के बीच की दूरी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वाइस चांसलर प्रो. (डा.) प्रसेनजीत कुमार ने आयोजन टीम के प्रयासों की सराहना की। डीन अकैडमिक्स प्रो. (डॉ.) ए. शनमुगनाथन ने अपने प्रेरणादायक शब्दों से विद्यार्थियों को उत्साहित किया। वाइस प्रिंसिपल एवं प्रॉक्टर संदीप सिंह ने कहा कि इस भ्रमण ने विद्यार्थियों को एआई आधारित तकनीकों, उद्योग की अपेक्षाओं और भविष्य के करियर अवसरों के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान की, जो उनके पेशेवर विकास में अत्यंत सहायक होगी। इस औद्योगिक भ्रमण में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संकाय (कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग) समन्वयक मिस मानसी एवं आशिष शर्मा ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन और विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लाजपतनगर मंडल में एसआईआर का काम तेज

अध्यक्ष आलोक शर्मा ने बीएलओ व कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर फॉर्म भरवाए

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। लाजपत नगर मंडल के अध्यक्ष आलोक शर्मा ने मंडल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण को गति देने के लिए पूरी टीम को सक्रिय कर दिया है।

उन्होंने स्वयं कई बूथों का दौरा कर बीएलओ और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर मतदाता फॉर्म भरने और जमा करने का काम तेज किया। आलोक शर्मा ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि हर वह मतदाता जिसका नाम अभी तक सूची में नहीं आया, उसे तुरंत जोड़ें। बीएलओ के सहयोग से फॉर्म भरने की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को फॉर्म वितरण, भरने में मदद और जमा करने के लिए विशेष स्टॉल लगाने के निर्देश दिए। कई बूथों पर लोगों ने उत्साह दिखाते हुए अपने एपिक नंबर की पुष्टि कर फॉर्म जमा किए। लाजपतनगर मंडल की इस पहल से एसआईआर का कार्य निर्धारित समय से आगे बढ़ रहा है और मतदाता सूची को अद्यतन करने में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। आगे भी शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं से इसी ऊर्जा के साथ काम जारी रखने का आह्वान किया।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। समाजवादी पार्टी के पूर्व महानगर अध्यक्ष जेपी कश्यप अक्सर अपनी फेसबुक पोस्ट के जरिए जीवन से जुड़ा एक दर्शन एक गहन संदेश देते हैं। जेपी कश्यप ने अपनी एक पुरानी और एक वर्तमान फोटो से संदेश दिया कि वक्त बीत जाता है और खर्च हम हो जाते हैं। जेपी कश्यप की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति दैनिक करंट क्राइम — ज़ुबान संभाल के

सुभाष शर्मा | वरिष्ठ संवाददाता

वो ऐसे हैं भाजपाई जिन्होंने मौहल्ले में अपने दम पर भाजपा ही है हराई

वैसे तो कुनबा एक्टेंशन प्रोग्राम में भाजपा ने कहीं की ईंट कहीं का रोड़ा जोड़ लिया। कोई कुछ भी कहे मगर उसने यहां विपक्ष के किले को छिन्न भिन्न कर दिया। मगर बागियों को मनाने में अब सीन बड़ा रोचक हो गया है। भजपा में अब ऐसे ऐसे देवतुल्य और समर्पित भाजपाई आ गये हैं जिन्होंने ऑन रिकॉर्ड निगम वाले वार्ड में भाजपा हराई है। अब भाजपा को ही हराने वाले भाजपाई हो गये हैं। स्वामी जी वाले वार्ड से लेकर त्यागी जी वाले वार्ड तक यहीं सीन है। चुनाव में ताल ठोक कर भाजपा को हराने वाले अब ऐसे भाजपाई हो गये हैं। जिनके बारे में कैबिनेट वाले भी कह रहे हैं कि अगर सब ऐसे हो जायें तो लखनऊ से आने की जरूरत ना पड़े। देव तुल्य ने ही कहा कि हमें तो यही समझ में नहीं आ रहा कि हम आखिर इस चुनाव में लड़े किसके लिए थे। जिसके लिए हम भाजपा का बैनर लेकर लड़े थे। उनके साथ तो आज विधायक, मंत्री और सांसद खड़े हैं।

दुवतुल्य बोला उनकी अपनी दूरियां और हमारी अपनी हैं मजबूरियां

पॉलिटिक्स में चुनाव लड़ने वाले को नोटों का इंतजाम देखना है। नेता को होर्डिंग में अपना फोटो देखना है। चुनाव लड़ाने वाली टीम को वोटों का इंतजाम देखना है। मगर भगवा गांव में सीन ऐसा हो रहा है कि दो पाटन के बीच में दुवतुल्यों का साटन बन रहा है। यहां सीन कुछ ऐसा है कि कोई चला नहीं रहा मगर तीर चल रहे हैं। पार्टी के आयाम आते हैं मगर यहां एक नया काम देवतुल्यों की जान को आ गया है। वो बता रहे हैं कि होर्डिंग में लड़ाई इस बात को है कि एक कहता है कि मेरा फोटो बड़ा लगेगा और दूसरा कहता है कि मेरा फोटो बड़ा ही होना चाहिए। होर्डिंग बनवाने वाले दुवतुल्य ने कहा कि बड़े फोटो की चुल्ल इन्हें है और नोटों में आग हमारे लग रही है। फिर उसने कहा कि हम कर भी क्या सकते हैं।

दो जीते हैं अपने दम पर पार्षदी और तीसरे कांग्रेसी को जिताया है भाजपाईयों ने मिलकर

विपक्ष में मोर्चे खोले जाते हैं और विपक्ष में पुलिस के लाठी डंडे भी खाये जाते हैं। मगर सियासत के गढ़ में कमाल ये हो रहा है कि सड़क पर सत्ता वाले हैं और अपोजिशन वाले कहीं दिखते ही नहीं है। हाउस टैक्स बढ़ता है तो सत्ता वाले विरोध में आते हैं मगर विपक्ष वाले बैकफुट पर दिखते हैं। पॉलिटिकट ढीलेपन की बात करें तो इस मामले में हाथ वाले सबसे आगे चल रहे हैं। वो पब्लिक के किसी मुद्दे पर सामने नहीं आते। माना कि नारे लगाने से डर लगता है, आंदोलन से डरते हैं मगर चार कांग्रेसी भी मिलकर किसी समस्या पर ज्ञापन देने तक नहीं जाते। कांग्रेसियों की इस हालत की बात चली तो पुराने कांग्रेसी ने कहा कि जो हाथ वाले अपने पॉलिटिकल दफ्तर के बाहर पार्टी फॉरमेट पर आया एक होर्डिंग नहीं लगा सके, आप उनके नारे लगाने और आंदोलन की बात कर रहे हो। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के पास इस समय वास्तव में यहां नेताओं का अभाव है। कांग्रेस के पास इतना बड़ा जनाधार है कि वो नगर निगम में 16 सीटों पर थे और अब तीन पर सिमट आये हैं। और वैसे भी मैं आपको बता दूं कि ये तीन भी कांग्रेस के टिकट पर नहीं ये अपने दम पर जीतकर आये हैं। दो अपने दम पर जीते हैं और तीसरे को भाजपाईयों ने मिलकर जिताया है। यकीन ना हो तो खुद उन्हीं से पूछ लेना ये बता देंगे। वो ना बतायें तो इनके मौहल्लों में जाकर पता करना, मौहल्ले के वो वोटर जो विधानसभा और लोकसभा में भाजपा को वोट देते हैं वो निगम के चुनाव में इन्हें बड़े आराम से जिता देते हैं।

HRIT UNIVERSITY
Established under the provision of the Uttar Pradesh Private Universities Act 2018
SHAPING FUTURE

6th RISE IN india 2025

FREE ENTRY FOR ALL

8th Km Stone, Meerut Road, Near Duhai Rapid Rail Station, Ghaziabad, Uttar Pradesh

Main highlights of the exhibition will be:
- Glimpses of experiments and Researches in indian Space Research Organisation
- Free Health Check ups
- Awareness on all the Government Schemes, Policies & Achievements
- Ministry of Chemical and fertilizer
- Geological Survey of India
- Department of Atomic Energy
- MINISTRY OF AYUSH
- Ministry Of Agriculture And Farmers Welfare
- Commerce Industries
- Livelihood Programs & Products Sale
- Bureau of Indian Standards
- Council of Scientific and Industrial Research
- NTPC
- Quiz Activities, Model Display
- Drawing Completion
- Cultural Programs
- More Than 50 Departments of Government of india

Mr. Asim Arun
Hon'ble Minister of State
Minister of State (Independent Charge)
Social Welfare & SC/ST Welfare

Date :
24th, 25th & 26th
November, 2025

Timing :
10:30 AM to 5:00 PM

Dr. Anil Agrawal
(Former Member of Parliament)

MAJOR PARTICIPANTS
IRCTC · NHPC Limited (A Government of India Enterprise) · Ministry of Information and Broadcasting · NTPC · ncrtc · THDC India Limited · Department of Science & Technology · TARMEH EVENTS · Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Government of India · नमामि गंगे · Yamuna Expressway Industrial Development Authority (A Government of Uttar Pradesh Undertaking) · Ministry of Commerce and Industry · डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर · APEDA

श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म पगड़ी

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड रहा है हमारे प्रिय स्वः अरविंद कुमार गर्ग दिनांक 20 नवंबर 2025 को प्रभु चरणों मे लीन हो गए हैं।
ईश्वर की ऐसी ही इच्छा थी।

श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म पगड़ी 29 नवम्बर, दिन शनिवार
हवन – प्रातः 9.00 बजे
ब्रह्मभोज – 12 बजे अपरान्ह
निवास स्थान – आर-6/156, राजनगर, गाजियाबाद

रस्म पगड़ी स्थान – हिन्दी भवन, लोहिया नगर, गाजियाबाद
समय – दोपहर 3 से 4 बजे

शोकाकुल परिवार
सूर्य प्रकाश (भाई)
प्रणव एवं शुचि (पुत्र एवं पुत्र वधू) | मोती लाल एवं ऊषा गर्ग (भाई एवं भाभी)
अंकित एवं आरती (पुत्र एवं पुत्र वधू) | सुभाष गर्ग एवं शिल्पा गर्ग (भाई एवं भाभी)

एवं समस्त गर्ग परिवार

प्रतिष्ठान
एम. एल. स्टील्स
एम. एल. आयरन प्राईवेट लिमिटेड
आर. डी. फोर्ज प्राईवेट लिमिटेड
आर. डी. स्टील्स
विजय कुमार सूर्य प्रकाश
9810499811, 7838382018, 9810033459, 9810005078

भाजपा नेता मनोज भाटी की सुपुत्री कालिंदी का लगन सगाई समारोह धूमधाम से संपन्न

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा नेता मनोज भाटी की सुपुत्री कालिंदी का शुभ लगन सगाई समारोह जतिन के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोग पहुंचे और आशीर्वाद प्रदान किया।

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** बताने वाले ने बताई 85 नम्बर की बस में बैठे भगवा मैम्बर की बात? कहा ये भी कमाल कर रहे हैं भाई साहब? सुना है जब भी मौहल्ले वाले इनको मिलाते हैं वोट बनवाने के लिए फोन? तब ये फोन करने वालों से ही मांग लेते हैं बीएलओं का नम्बर? कहने वाले ने कहा जब भाई साहब को ही नहीं है बीएलओ की जानकारी? तो आप समझ लो ये किस तरह खेल रहे होंगे पार्टी के लिए एसआईआर वाली पारी?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हमें नदियापार के भगवा सरदार का किरदार लगता है जोरदार? वो कुछ भी बात मन में नहीं रखते? जो भी होता है उसे ले आते हैं अपनी जुबां से बाहर? जब उनसे पूछा आपको कौन सा अध्यक्ष लगा अब तक बेस्ट? उन्होंने दो शर्मा चेहरों को लेकर खिलखिलाती स्माईल के साथ किया रिएक्ट? जब आई मौजूदा वालों के नाम की बारी? तब उन्होंने दे दिया यहां पर अपनी जुबान को लम्बा रेस्ट?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा पहलवान ने कुछ ऐसी बात बताई? जिसको सुनकर हैरान हो गये सभी गुर्जर भाई? उन्होंने विधायक मदन भईया की बिटिया की शादी में खोला राज? कहा सच बता रहा हूं मेरी आज पहली बार हो रही है विधायक जी से मुलाकात? ये शब्द सुनकर चौंक गये मौके पर खड़े साथियों के चेहरे? वो बोले आपको तो पहले से ही मुलाकात मजबूत करके रखनी चाहिए थी? आखिर किसने बैठाये हुए थे आप दोनों के बीच में पहरे?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** नदियापार के राघव जी का बर्थडे होना था भगवा कमिश्नर की मौजूदगी में सैलिब्रेट? शाम 6 बजे का टाईम फिक्स हुआ था? कुछ ऐसा मिला हमको अपडेट? पता चला है 6 बजे से पहले ही पूर्व वालों ने राघव जी का अपने कार्यालय पर मना दिया जश्न? उसके बाद कुछ ऐसा हुआ कि खत्म हो गया अगले बर्थडे का टश्न? पता चला है मेन भगवा कमिश्नर ने कैंसिल कर दिया किन्हीं कारणों से बर्थडे सैलिब्रेशन का प्रोग्राम? दे दिया संदेश, आप वहीं खुश रहो? हमारे अंगने में आपका क्या काम?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** थोड़ा गाजियाबाद की राजनीति से भी बाहर निकलो साहब? भविष्य में वेस्टर्न लेवल पर होने वाले परिवर्तन का भी जिक्र कर दो आप? दे दो हमारी तरफ से सभी को ये जानकारी? सिसौदिया जी के बाद वेस्टर्न वाली कुर्सी पर कोई जाट नेता खेलेंगे पारी? लगभग हो चुका है स्मार्ट चेहरे का यहां पर नाम तय? नीचे से लेकर ऊपर तक इस नाम की मजबूत चल रही है लय?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** अगर गाजियाबाद की भगवा राजनीति में किसी को मुकाम पाना है? तो वो दिमाग पर ज्यादा जोर ना लगाये? जिस सिटी में बन रही है सन निकलने की योजना? बस तमन्नाओं को रखने वाला चेहरा उनका आशीर्वाद ले आये? इस चेहरे के ऊपर तक मजबूत हैं तार? हाल ही में झलका है इनका अपनी ही बिरादरी वाले ब्रदर पर प्यार? सुना है ये जो भी कुछ कहते हैं? ऊपर वाले नहीं कर पाते हैं इनकी बात पर इंकार?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** मैं आपको बता रहा हूं अंदर की बात? जिन दो जनप्रतिनिधियों को बताया जाता है एक दूसरे का बहुत ही खास? सुना है उनके बीच में भी नहीं रही है अब पहले जैसी बात? भविष्य में आपको जरूर दिखाई देंगे दूरियों के इफैक्ट? मैं यहां पर 99 प्रतिशत कह रहा हूं सच? 1 प्रतिशत इसलिए छोड़ा है? ये भगवागढ़ की राजनीति है, वक्त बदलने में नहीं लगता है यहां पर ज्यादा वक्त?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** मैं हुआ था लोनी वाले भईया जी के कार्यक्रम को लेकर अपनी गाड़ी में सवार? जैसे ही मैंने घूकना से जावली की ओर गाड़ी दौड़ाई? तब सड़क के दांये बिग सौम्य मावी? और थोड़ा आगे बांये जाकर हुए अनुज सौम्य मावी के दीदार? मैंने दोनों के होर्डिंग को देखकर किया विचार? दोनों ने नहीं लगाये थे एक दूसरे के अपने होर्डिंग पर फोटो? मुझे समझ नहीं आया ये वाला प्यार? सुना है अनुज मावी के आजकल क्रांतिकारी विधायक के साथ होते हैं ज्यादा दीदार?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** जो हम आपको बात बता रहे हैं , वो है एकदम खालिस? हातम भईया का व्यवहार ही ऐसा है कि वो अपने शब्दों में नहीं लगाते हैं पॉलिश? जो भी कहना हो कह देते हैं स्पष्ट? भले ही किसी को खुशी मिले या मिले किसी को कष्ट? उन्होंने कहा एक समय किसी ने पार्टी आला कमान के सामने बनाया हुआ था हमारा नेगेटिव माहौल? यहां पर भगवा कमान्डर ने निभाया था हमारे लिए मजबूत वाला रोल? की थी बड़े नेताओं के दिमाग में जमीं हुई हमारी नेगेटिविटी दूर? इस बात को आज भी कहने में हमें कष्ट नहीं है हुजूर?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** इन दिनों एक चर्चा हो रही है आम? कहने वाले कह रहे हैं एक विधायक ने आम के साथ वसूल लिये हैं गुठलियों के भी दाम? चुनाव से पहले ही निपटा दिया है उन्होंने किसी का काम? कहने वाले ने कहा सच में विधायक जी बहुत ही शार्प हैं? ओबीसी वालों का मानों जब्त करा दिया हो उन्होंने दावेदारी का सामान?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

पारंपरिक केक मिक्सिंग सेरेमनी का आयोजन, डॉक्टरों ने की शिरकत

गाजियाबाद(करंट क्राइम)। फॉर्च्यून डिस्ट्रिक्ट केंद्र में मंगलवार को पारंपरिक केक मिक्सिंग सेरेमनी का भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में गाजियाबाद के प्रसिद्ध डॉक्टर्स – डॉ. अरुण कुमार, डॉ. विपिन कुमार, डॉ. वजाहिद रिजवी और डॉ. मनिषा ने शिरकत की।

सभी ने मिलकर सूखे मेवे, कैंडिड फ्रूट्स और सुगंधित मसालों को पारंपरिक अंदाज में मिलाया, जो उत्सव, समृद्धि और एकता का प्रतीक है। आकर्षक सजावट, लाइव संगीत और ताजी बेकरी तैयारियों ने पूरे आयोजन को और भी शानदार बना दिया।

इस मौके पर मैनेजर शांतनु मुखर्जी ने कहा कि केक मिक्सिंग सेरेमनी त्योहारों की शुरूआत का एक सुंदर माध्यम है। यह परंपरा हमें एकजुट होकर खुशियां मनाने और त्योहारी उत्साह साझा करने का अवसर देती है।

इस आयोजन के साथ अपने विशेष फेस्टिव मेन्यू और सीजनल ऑफर्स की भी औपचारिक शुरूआत की गई। इस मोके पर सचिन शर्मा, गुरमीत सिंह, वीरेंद्र भारती, निखिल चौधरी, मन्नू शर्मा, रुक्मान, आदि भी मौजूद रहे।

दाह संस्कार के लिए 500 किमी दूर ले गया भाई, आग लगने से पहले जिंदा निकली महिला

बैंकॉक। थाईलैंड में एक महिला का दाह संस्कार किए जाने से पहले अचानक ताबूत में दस्तक हुई। इसके बाद जब ताबूत खोलकर देखा गया तो उसमें महिला जिंदा निकली। इस घटना से मंदिर के कर्मचारियों भी चौंक गए। अंतिम संस्कार के लिए लाए जाने के बाद महिला अपने ताबूत में हिलने लगी थी।

बैंकॉक के बाहरी इलाके में नोनथाबुरी प्रांत में स्थित बौद्ध मंदिर वाट रत प्रखोंग थाम ने अपने फेसबुक पेज पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें एक महिला को एक पिकअप ट्रक के पीछे सफेद ताबूत में लेटे हुए दिखाया गया है, जो अपने हाथों और सिर को थोड़ा हिला रही है, जिससे मंदिर के कर्मचारी हैरान रह गए।

मंदिर के सामान्य और वित्तीय मामलों के प्रबंधक, पायरत सूदथूप ने सोमवार को बताया कि 65 वर्षीय महिला का भाई उसे दाह संस्कार के लिए फिट्सानुलोक प्रांत से गाड़ी में लेकर आया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने ताबूत से हल्की सी दस्तक सुनी। मंदिर के कर्मचारी ने बताया कि मैं थोड़ा हैरान था, इसलिए मैंने उनसे ताबूत खोलने को कहा और सब चौंक गए। उन्होंने कहा कि मैंने देखा कि उसने अपनी आंखें थोड़ी खोलीं और ताबूत के किनारे पर दस्तक दी। पायरत के मुताबिक उसके भाई ने बताया कि उसकी बहन लगभग दो साल से बिस्तर पर थी। ऐसा लगा जैसे दो दिन पहले उसकी सांसें थम गई हों। फिर भाई ने उसे एक ताबूत में रखा और 500 किलोमीटर का सफर तय करके बैंकॉक के एक अस्पताल पहुंचा, जहां महिला ने अपने अंगदान की इच्छा जताई थी।

खोड़ा नगर पालिका में भाजपा ने चलाया एसआईआर फॉर्म भराने का महाभियान

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा युवा मोर्चा के कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र गुप्ता मंगलवार को खोड़ा नगरपालिका के विभिन्न बूथों पर सक्रिय हो गए। उन्होंने अपने साथी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर एसआईआर (फॉर्म भरवाने का एक व्यापक अभियान शुरू किया है।

पुष्पेंद्र गुप्ता ने बताया, हमारा लक्ष्य है कि हर वह मतदाता जिसका नाम अभी तक सूची में नहीं आया, उसे तुरंत जोड़ना। बीएलओ के सहयोग से फॉर्म भरना और जमा करना अब आसान हो गया है। खोड़ा मकनपुर मंडल में एसआईआर फॉर्म भरवाना, एपिक नंबर से पहचान कराना, और वोटर हेल्पलाइन के माध्यम से सहायता देना स्थानीय निवासी इस ह्यएसआईआर उत्सवह्व को लेकर काफी उत्साहित हैं। कई लोग फॉर्म जमा करने के लिए लाइन में खड़े दिखे, और पुष्पेंद्र गुप्ता की टीम ने हर कदम पर मदद की।

भाजपा युवा मोर्चा का यह कदम न केवल मतदाता सूची को अद्यतन करने में मदद करेगा, बल्कि लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी को भी मजबूत करेगा। देखते हैं, इस अभियान से कितने नए मतदाता जुड़ते हैं।

हनुमान मंदिर में तीसरी बार दान पात्र में चोरी, कैमरे में कैद हुई वारदात

पुलिस की गश्त व्यवस्था व पुलिसिंग पर उठे सवाल

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम । पुलिस कमिश्नरेट के थाना मधुबन बापूधाम क्षेत्र के संजय नगर स्थित हनुमान मंदिर में बीती रात चोरों ने एक बार फिर दान पात्र को निशाना बनाया। यह मंदिर में तीसरी बड़ी चोरी है। जानकारी के मुताबिक, रात करीब 12 बजे तीन चोर दीवार फांदकर मंदिर परिसर में दाखिल हुए।

कैमरे की फुटेज में दिख रहा है कि दरवाजे की कुंडी तोड़कर दो चोर मंदिर के अंदर घुसे और तीनों दान पात्र तोड़कर उनमें रखी पूरी रकम कपड़े में बांधकर ले गए। इस दौरान तीसरा चोर बाहर वाटर कूलर के पास पानी भरने का नाटक करता रहा और चौकीदारी करता दिखा। वारदात कुछ ही मिनटों में पूरी हो गई और सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पूरी घटना मंदिर में लगे कैमरों में साफ कैद है।

हनुमान मंदिर सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष ने बताया कि मंदिर में दान पात्र तोड़ने की यह तीसरी घटना है। इससे पहले 2022 में भी चोर लगभग 50 हजार रुपये चोरी कर ले गए थे, लेकिन पुलिस आरोपियों तक नहीं पहुंच सकी और न ही चोरी की रकम बरामद हुई। स्थानीय लोगों और ट्रस्ट सदस्यों ने लगातार हो रही इन वारदातों पर चिंता जताई है और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं थाना पुलिस की वर्किंग भी सवालां के घेरे में आ गई है।

धीरे से हो गया एक टू-स्टार का ईलाज

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में आजकल कब किसको हटा दिया जाए और कब किसको नई सवारी मिल जाए कहा नहीं जा सकता है। उधर सुनने में आ रहा है कि धीरे से वह काम हो जाता है जो पहले शोर और हलचल के बीच होता था। पुलिस कमिश्नरेट के सूत्र बता रहे हैं कि सिटी जोन में एक टू-स्टार को धीरे से निपटा दिया गया है। सुनन में आया है कि कुछ दिन पहले का मामला है उनके इलाके में जो समारोह के दौरान फायरिंग वाला सीन हुआ था, उसके बाद मामला फंस गया और टू-स्टार सजा के तौर पर हटा दिए गए हैं। अब बताया जा रहा है कि अभी तीन दिन पहले ही उनको चौकी से रवाना किया गया है। उनके स्थान पर एस नाम वाले चौकी देख रहे हैं। तो उधर पुलिस महकमे में चर्चा है कि इस कार्रवाई के बाद सिटी जोन में वह चौकी वाले अलर्ट हो गए हैं, जिनके आसपास शादी विवाह वाले मंडप हैं। वैसे बीते दिनों ट्रैफिक वालों ने बड़ा दावा किया था कि सड़क पर ना डीजे बजेगा ना बैंड- बाजा-बारात आएगी। ना जाम लगेगा लेकिन आलम यह है कि पुलिस लाइन के निकट का इलाका ही इस अभियान के तहत सेफ नजर नहीं आ रहा है। शादी वाली रात

रोजाना सड़कों पर जाम लग रहा है। खुलेआम आतिशबाजी होती है, तो बैंड-बाजा-बारात भी मेन रोड पर रहती है। कुल मिलाकर ट्रैफिक वाले विभाग के हालात और हाल ठीक नहीं चल रहे हैं। वैसे सुनने में आ रहा है कि वहां अब रवानगी होने पर कुछ लोग टेंशन में हैं। तो जब से नंबर दो की पोजीशन वाले साहब गए हैं, अन्य सड़कों पर कोई नजर आ नहीं रहा है। उधर सुनने में आ रहा है कि जल्द ही पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में तीनों जोन के टू-स्टार की लिस्ट आने वाली है। इस लिस्ट में कई चौकी प्रभारी का चार्ज लेंगे, तो कुछ को लाइन का रास्ता दिखाया जा सकता है। वहीं सूत्र बता रहे हैं की खास कार्यालय से जुड़े दो लोगों को भी कुछ इनाम दिया जा सकता है। कुल मिलाकर देखना यह होगा कि आने वाले दिनों में टू-स्टार की लिस्ट का किस जोन में कितना असर पड़ता है। किसको मौका मिलता है, किसको रोका जाता है और किसे हटाया जाता है। कुल मिलाकर जिस तरीके से एक टू-स्टार पर कार्रवाई हुई है उसके बाद कई टू-स्टार पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में अलर्ट वाले मोड पर आ गए हैं।

इस्राइली पीएम नेतन्याहू का भारत दौरा फिर टला

तेल अवीव। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस साल के अंत में भारत की यात्रा पर आने वाले थे, लेकिन अब एक बार फिर उन्होंने अपनी इस यात्रा को टाल दिया है। उनकी यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के लिए तय की गई थी। सूत्रों के अनुसार, यह कदम नई दिल्ली में हुए एक भयानक आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा कारणों से उठाया गया है। इस हमले में कम से कम 15 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए। मीडिया रिपोर्ट की माने तो नेतन्याहू अब अगले साल नई तारीख तय करेंगे, जब सुरक्षा परिस्थितियों का आकलन हो जाएगा। बता दें कि इस बार को लगाकर इस साल इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने तीन बार भारत की यात्रा रद्द की है।

आईएमएस गाजियाबाद में एआई और मशीन लर्निंग आधारित 6 दिवसीय ATAL FDP का शुभारंभ

गाज़ियाबाद (करंट क्राइम)। IMS गाज़ियाबाद (यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस) में सोमवार शाम आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर केंद्रित छह दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP) की शुरूआत हुई। कार्यक्रम का विषय “Next-Gen Business Intelligence: Leveraging AI and Machine Learning for Transformational Growth” रखा गया है। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके बाद निदेशिका प्रो. (डा.) जसकिरण कौर ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। पहला तकनीकी सत्र यूके स्थित Advancing Analytics की सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर मीनू बीना सिसुपाल ने लिया। दूसरा सत्र जुल्फीकार, सीनियर कंसल्टेंट Rewards & Insights, AXAAL ने संचालित किया। उन्होंने डेटा संग्रह के सही तरीकों, डेटा प्री-प्रोसेसिंग, मिसिंग वैल्यूज हैंडलिंग, क्लीनिंग मॉडल और बिजनेस इनसाइट निकालने के लिए प्रभावी विजुअल डैशबोर्ड बनाने पर चर्चा की।

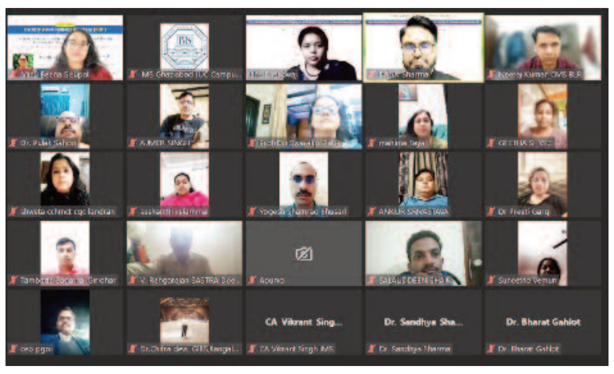

कार्यक्रम में प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों ने भाग लिया, इनमें – अमिटी यूनिवर्सिटी, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, दिल्ली यूनिवर्सिटी, गुरु नानक यूनिवर्सिटी, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी देहरादून, अन्ना यूनिवर्सिटी, एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी, अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज। संस्थान ने कहा कि आगामी दिनों में होने वाले सत्र प्रतिभागियों की समझ को और मजबूत करेंगे।

यह कार्यक्रम 6 दिन तक चलेगा। प्रतिभागी किसी भी अपडेट के लिए संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट देख सकते हैं।

शांति की कवायद के बीच यूक्रेन में रूस का एक्शन छह लोगों की मौत, ऊर्जा संयंत्र पर भी हमले

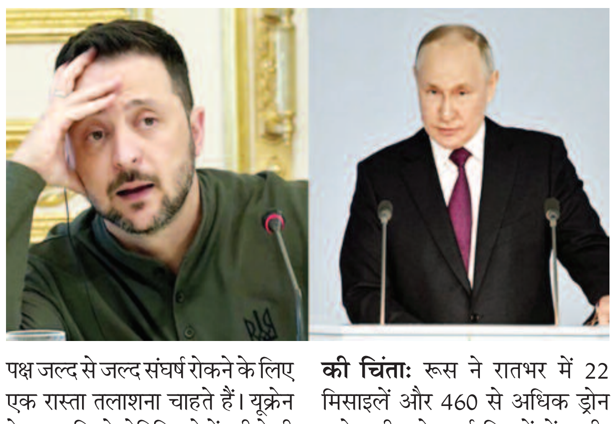

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस के ताजा हमलों ने एक बार फिर युद्ध को लेकर बढ़ती अनिश्चितता को सामने ला दिया है। कम से कम छह लोग मारे गए और कई इलाकों की ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका की ओर से शांति योजना पर जारी बातचीत नए मोड़ पर पहुंच रही है और युद्ध को खत्म करने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज हुए हैं।

अमेरिकी आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल ने अबू धाबी में रूसी अधिकारियों के साथ कई घंटे वार्ता की। वे हाल ही में अमेरिकी टीम में शामिल हुए हैं और शांति समझौते की शर्तों पर चर्चा का नेतृत्व कर रहे हैं। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक यूक्रेन इन बातचीत से अवगत है और सभी पक्ष जल्द से जल्द संघर्ष रोकने के लिए एक रास्ता तलाशना चाहते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी कहा कि जिनेवा में हुए अमेरिकी-यूक्रेनी प्रतिनिधियों के बीच संवाद के बाद समाधान की दिशा में कदम संभव दिख रहे हैं।

कीव में तबाही और नागरिकों की चिंता: रूस ने रातभर में 22 मिसाइलें और 460 से अधिक ड्रोन दागे। कीव के कई हिस्सों में पानी, बिजली और हीट सप्लाई बाधित हो गई। पूर्वी दिनीप्रोवस्की जिले में एक नौ मंजिला इमारत धू-धू कर जल उठी। मेयर विटाली क्लिचको ने बताया कि इस क्षेत्र में दो लोगों की मौत हुई।

शिवसेना यू बी टी की कार्य समिति बैठक संपन्न

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे उत्तर प्रदेश के पश्चिमी उत्तर प्रदेश में निवास कर रहे प्रदेश पदाधिकारी मंडल प्रमुख जिला प्रमुख व महानगर प्रमुखों की बैठक पांडव नगर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सुखसागर फार्म हाउस में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश प्रमुख ठाकुर अनिल सिंह ने की तथा संचालन पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी महेश कुमार आहुजा ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रमुख ठाकुर अनिल सिंह ने कहा कि सभी पदाधिकारी हिंदुत्व को आधार बनाकर आम नागरिकों की सेवा के लिए कार्य करते हुए उन्हें संगठन से जोड़कर चल रहे।

शिवसेना सदस्यता अभियान को गति देने का कार्य करें। साथ ही मुंबई में होने जा रहे बी एम सी चुनाव में वहां प्रवासी के रूप में ठहर रहे उत्तर भारतीयों से संपर्क कर शिवसेना के पक्ष में मतदान के लिए संपर्क बनाकर रखें ताकि बी एम सी में बहुमत से संगठन के पार्षद पहुंच सके और मुंबई बी एम सी पर शिवसेना यू बी टी का भगवा ध्वज फिर एक बार फिर सके गौ हत्या बंद करने एवं गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलवाने का आह्वान किया। साथ ही साथ शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार उपलब्ध कराने पर भी बल दिया गया। बिहार प्रदेश की तरह उत्तर प्रदेश में भी महिलाओं को 10000 रुपए सरकार की तरफ से दिए जाने चाहिए।

बैठक में प्रदेश महासचिव धर्मेंद्र तोमर व योगेंद्र शर्मा व प्रदेश संगठन मनोज सैनी, मुरादनगर मंडल प्रमुख आर के आर्य, मेरठ जिला प्रमुख संदीप गर्ग, अलीगढ़ से मांगेराम शर्मा, जिला प्रमुख अशोक पुंडीर, बुलंदशहर जिला प्रमुख तेजवीर शर्मा, शामली नीरज रोहिल्ला, सहारनपुर बुलंदशहर जिला प्रमुख संजय राणा, विपिन भटनागर, मुरादाबाद चेतन चौहान, आगरा आदि से लोग उपस्थित रहे।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

प्रदर्शनियों की भीड़, नवाचार का शोर
'राइज इन इंडिया' का दूसरा दिन रहा धमाकेदार
एडवांस टेक्नोलॉजी, भारतीय संस्कृति और नवभारत की उपलब्धियों ने एचआरआईटी परिसर में जमाया रंग

डॉ. अनिल अग्रवाल ने कहा–'युवा ही भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाएंगे'

करंट क्राइम। एचआरआईटी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अनिल अग्रवाल ने दूसरे दिन के मुख्य सत्र में अपने प्रेरक संबोधन में कहा– 'भारत आज विज्ञान और संस्कृति दोनों मोर्चों पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। जब हमारे युवा देश की तकनीकी और सांस्कृतिक शक्ति को समझते हैं, तभी वे आत्मनिर्भर और विकसित भारत की वास्तविक तस्वीर गढ़ते हैं। यह प्रदर्शनी उसी जागरूकता और आत्मविश्वास का माध्यम है।' उनका संबोधन छात्रों में नई ऊर्जा, सकारात्मकता और नवाचार की प्रेरणा जगाने वाला रहा।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एचआरआईटी विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय 'राइज इन इंडिया' प्रदर्शनी का दूसरा दिन पूरी तरह ऊर्जा, उत्साह और नवाचार का केंद्र बना रहा। भारत सरकार के ऐतिहासिक विकास, तकनीकी नवाचार, सांस्कृतिक विरासत और आर्थिक प्रगति को दशार्ने वाली यह प्रदर्शनी जनता और छात्रों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र बनी हुई है।

दूसरे दिन सुबह से ही विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों, शिक्षकों और आगंतुकों की बड़ी भीड़ उमड़ी। प्रदर्शनी के विभिन्न पवेलियन्स में लगे चित्र, मॉडल्स, वैज्ञानिक प्रस्तुतियां, 3डी डिस्प्ले, रोबोटिक्स मॉडल्स और वीडियो इंस्टॉलेशन ने दर्शकों को भारत की प्रगति के बहुआयामी स्वरूप से रूबरू कराया। विशेष रूप से इसरो और डीआरडीओ के स्टॉल्स पर छात्रों का भारी उत्साह देखने को मिला, जहां रॉकेट टेक्नोलॉजी, डिफेंस सिस्टम, स्पेस रिसर्च और फ्यूचर मिशन्स के बारे में एडवांस जानकारी दी गई। कई छात्रों ने पहली बार इतने करीब से हाई-टेक मॉडल्स और मिशन प्रेजेंटेशन देखे।

दूसरे दिन एचआरआईटी विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न स्कूलों में आयोजित इंटर-स्कूल क्विज की फाइनल राउंड प्रतियोगिता भी हुई। विजेता छात्रों को मंच पर सम्मानित किया गया, जिससे छात्रों में उत्साह से भरपूर माहौल बना रहा। पूरे कार्यक्रम में हजारों विद्यार्थी शामिल रहे, जिन्होंने विभिन्न डिपार्टमेंट्स द्वारा लगाए गए इनोवेशन और साइंस मॉडल्स का अनुभव लिया। पूरा परिसर 'राइस इन इंडिया' के थीम के अनुसार नवभारत, आत्मनिर्भरता, तकनीकी विकास, संस्कृति और ग्लोबल इंडिया की झलकियों से भरा रहा।

मुख्य कार्यक्रम में कुलाधिपति डॉ. अनिल अग्रवाल और कुलपति डॉ. डी. के. शर्मा ने क्विज विजेताओं को सर्टिफिकेट और ट्रॉफी प्रदान कर उत्साहवर्धन किया। प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, स्थानीय समुदायों और बाहरी स्कूलों-कॉलेजों के विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को और अधिक जीवंत बना दिया।

'राइज इन इंडिया' प्रदर्शनी 26 नवंबर 2025 तक चलेगी, जहां दर्शक भारत की उपलब्धियों और भविष्य की तकनीकों को नजदीक से देखने का अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

मुलाकात

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। समर कूल ग्रुप के चेयरमैन संजीव गुप्ता ने गाजियाबाद के डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ से मुलाकात की इस मुलाकात में संजीव गुप्ता ने डीएम गाजियाबाद से कुछ मुद्दों पर चर्चा की और सुझाव दिए।

वार्ड 86 में पार्षद मदन राय ने चलाया एसआईआर फॉर्म ड्राइव
बीएलओ की मदद से लोगों को कराया जागरूक

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। राजेंद्र नगर वार्ड 86 के पार्षद मदन राय ने मंगलवार को अपने क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण के फॉर्म भरवाने के लिए एक व्यापक अभियान शुरू किया। उन्होंने बीएलओ के साथ मिलकर विभिन्न बूथों पर जाकर मतदाताओं को फॉर्म वितरित किए और भरने में व्यक्तिगत सहायता प्रदान की।
पार्षद मदन राय ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि हर वह मतदाता जिसका नाम अभी तक सूची में नहीं आया, उसे एपिक नंबर के माध्यम से पहचान कर, वोटर हेल्पलाइन की मदद से जोड़ना। जिन मतदाताओं को बीएलओ के पास फॉर्म नहीं पहुँचा, उनके लिए विशेष सहायता स्टॉल लगाकर एपिक नंबर से पहचान कराने की व्यवस्था की गई। इस पहल से वार्ड 86 के कई निवासी अपने नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए उत्साहित दिखे। बीएलओ टीम ने भी इस सहयोग को सराहते हुए कहा कि पार्षद की सक्रिय भागीदारी से फॉर्म भरने की प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बन गई है। यह अभियान न केवल मतदाता सूची को अद्यतन करने में मदद करेगा, बल्कि स्थानीय नागरिकों के बीच लोकतांत्रिक भागीदारी को भी मजबूत करेगा।

बाबा साहेब के परिनिर्वाण दिवस पर नोएडा में जनसभा को संबोधित करेंगी मायावती, पश्चिम उत्तर प्रदेश के वोटरों को साधने का प्रयास

नोएडा (करंट क्राइम)। बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस यानि 6 दिसंबर को बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती नोएडा में एक विशाल रैली को संबोधित करेंगी। मंगलवार को लखनऊ में पार्टी की बैठक में रैली को फाइनल कर दिया गया है।

इस रैली के जरिए बसपा अध्यक्ष मायावती पश्चिम उत्तर प्रदेश के कार्यकताओं में जोश भरेंगी। मायावती अपने गृह जनपद गौतमबुद्ध नगर में 14 साल बाद शक्ति प्रदर्शन करेंगी। बिहार चुनाव में एक सीट जीतने के बाद बसपा कार्यकताओं में

उत्साह बढ गया है। कांशीराम की पुण्यतिथि पर मायावती ने लखनऊ में एक बडी रैली की थी, जिसमें लाखों की संख्या में लोग शामिल हुए थे। इस रैली के जरिए मायावती नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ और बुलंदशहर में अपने खोए वोटरों को साधने की तैयारी में है। लखनऊ में 9 अक्टूबर को कांशीराम परिनिर्वाण दिवस पर हुई रैली में उम्मीद से ज्यादा भीड़ जुटी थी, जिसने बीएसपी खेमे को एक नई ऊर्जा दी है। लगातार कमजोर पड़ते जनाधार को लेकर उठ रही चचाओं के बीच मायावती ने इस रैली के जरिए संदेश दिया था कि बसपा का कैडर आज भी सक्रिय और संगठित है।

इसी उत्साह को आगे बढ़ाते हुए बीएसपी ने बिहार चुनाव अपने दम पर चुनाव लड़ा और एक सीट जीतकर यह जताने की कोशिश की कि पार्टी फिर अपने पुराने आक्रामक तेवरों में लौट रही है।

सपा के प्रवक्ता हुए बसपा में शामिल

गाजियाबाद(करंट क्राइम)। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता वरिष्ठ वकील जावेद राहत खान ने पार्टी को बाय-बाय कर दिया है। वे अब बसपा में शामिल हो गए हैं । बसपा के जिला कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में जावेद राहत खान को माला और बसपा का पटका पहनाकर पार्टी में शामिल किया गया। इस मौके पर बसपा के जिला अध्यक्ष मनोज जाटव ने कहा

कि बसपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के कार्यों एवं उनके शासन तथा पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर दूसरे दलों के कई सदस्य बसपा में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बसपा ही एक ऐसी पार्टी है जहां सभी को उचित सम्मान दिया जाता है। राहत खान के बसपा में शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि जल्द ही जिले में भाईचारा कमिटियों की बैठक बुलाई जाएगी। इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम सैन समिति कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शहीद प्यारे लाल शर्मा अमर रहे
शहीद प्यारे लाल शर्मा अमर रहे

श्रद्धांजलि
जननायक शहीद
प्यारे लाल शर्मा जी
(भूतपूर्व विधायक)
के 47वें शहीद दिवस पर आप
सभी सादर आमंत्रित हैं

कार्यक्रम : 27 नवम्बर- 2025
समयः प्रातः 10:30 बजे

स्थान-:
शहीद प्यारे लाल शर्मा
पार्क मालीवाड़ा
चौक, गाजियाबाद

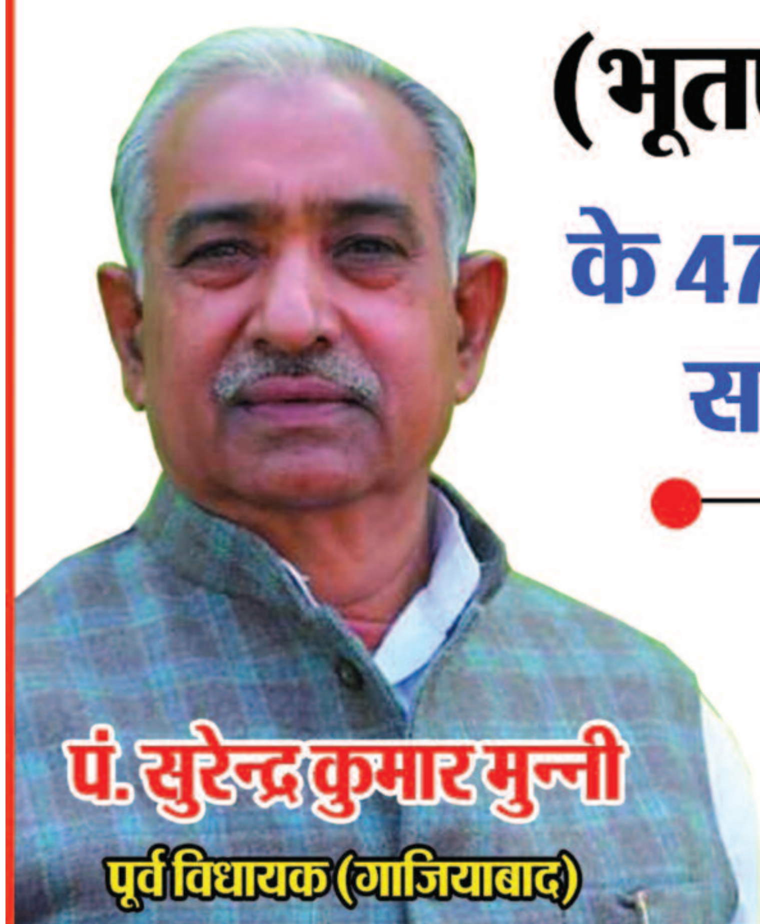

पं. सुरेन्द्र कुमार मुन्नी
पूर्व विधायक (गाजियाबाद)

निवेदकः शहीद प्यारे लाल शर्मा, जन विकास परिषद, गाजियाबाद